हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 201 बेमेतरा, रविवार 15 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी ने बढ़ाया प्रदेश का मान, मुख्यमंत्री साय ने किया सम्मान

खेल अधोसंरचना के विकास से निखर रही प्रदेश की प्रतिभाएं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री का स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा हौसला बढ़ाता है: आकांक्षा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित एक गरिमामय समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी को टाटा सिएरा कार उपहार स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रीमती आकांक्षा को बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने विश्व कप जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए टाटा मोटर्स द्वारा कार उपहार देने की इस पहल की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना के निरंतर विकास से प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे प्रयासों के माध्यम से प्रदेश के सुदूर अंचलों के युवा

भी खेलों से जुड़ रहे हैं। वहीं नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी प्रदेश को मिलने से भी राज्य में खेलों के लिए सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि पिछली मुलाकात के दौरान भी आकांक्षा का आत्मविश्वास और ऊर्जा बेहद प्रेरणादायक थी और आज भी उनमें वही उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही जज्बा भविष्य में होने वाले विश्व कप में भी टीम को सफलता दिलाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट श्रीमती आकांक्षा सत्यवंशी ने कहा कि विश्व कप जीतकर लौटने के बाद सबसे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूरी टीम का उत्साहवर्धन किया और प्रदेश की बेटी के नाते उन्हें व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री का यह स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा उनका मनोबल बढ़ाता है। श्रीमती आकांक्षा ने कहा कि आज मुख्यमंत्री से यह सम्मान प्राप्त कर उनका दिन यादगार बन गया है और यह पल उनके जीवन में हमेशा विशेष रहेगा। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में टीम में अपनी भूमिका तथा विश्व कप जीत की यात्रा से जुड़े अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, श्रीमती आकांक्षा के परिजन तथा टाटा मोटर्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में टाटा मोटर्स द्वारा टाटा सिएरा एसयूवी कार उपहार स्वरूप प्रदान की जा रही है।

सहकारिता से आर्थिक सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने किया टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के कटोरा तालाब में टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर में टीजेएसबी सहकारी बैंक की नई शाखा खुलने से प्रदेश की सहकारी गतिविधियों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता की भावना हमें सिखाती है कि हम मिलजुलकर आगे बढ़ें और एक-दूसरे को मजबूत बनाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा में 24 घंटे संचालित एटीएम का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सहकारी बैंक हमेशा आम आदमी के सबसे भरोसेमंद साथी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस नई शाखा के खुलने से जरूरतमंदों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएँ मिलेंगी। छोटे दुकानदारों, स्वरोजगार करने वालों और अपना काम शुरू करने वाले युवाओं को इससे बड़ी सहायता मिलेगी। इससे स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि का जो विजन देश में शुरू हुआ है, उसे छत्तीसगढ़ में भी तेजी से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी सहकारिता के इस मजबूत मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीजेएसबी बैंक ने एक छोटे से प्रयास के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और आज इसका विस्तार कई राज्यों में हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीजेएसबी बैंक की रायपुर शाखा भी सहकारिता की इसी भावना को आगे बढ़ाएगी और लोगों के जीवन में आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता खोलेगी। इस अवसर पर टीजेएसबी बैंक के अध्यक्ष श्री शरद गांगल, उपाध्यक्ष श्री वैभव सिंगवी, व्यवस्थापकीय संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री निखिल आरेकर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील की बंपर सप्लाई से दुनिया भर में सस्ती हुई चीनी

नई दिल्ली। ब्राजील में चीनी की अधिक आपूर्ति के चलते वैश्विक बाजार में इसकी कीमतों में तेज गिरावट आई है। लेकिन भारत के चीनी उद्योग का परिदृश्य फिलहाल स्थिर बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए लिमिटेड की ताजा रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, शुगर सीजन 2026 में अंतरराष्ट्रीय चीनी कीमतें मौजूदा उत्पादन लागत और भारत के घरेलू चीनी मूल्यों से नीचे बनी हुई हैं। इसकी मुख्य वजह ब्राजील से वैश्विक बाजार में बढ़ी हुई आपूर्ति है।

हवाई सफर महंगा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी का असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पर पड़ा तय है। इंडिया, इंडिगो और आकासा एयर जैसी प्रमुख भारतीय एयरलाइंस ने अपनी बढ़ती लागत से निपटने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार यानी फ्यूल सरचार्ज वसूलने का निर्णय लिया है। आइए इस आसान सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं कि यह सरचार्ज क्या है, हवाई किराए बढ़ने का खतरा क्यों है और इसका आपकी जेब पर क्या असर पड़ेगा।

रेस्तरां और होटलों के लिए बिजली पर सब्सिडी का एलान

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने रेस्तरां, होटलों और चाय की दुकानों को व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की जगह बिजली के चूल्हों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु बिजली पर 2 रुपये प्रति यूनिट सब्सिडी देने की घोषणा की है। सरकार ने कहा कि यह फैसला 28 फरवरी से पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद खानपान प्रतिष्ठानों के लिए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर को लेकर पैदा हुई चिंताओं के बीच लिया गया है।

कोलकाता के ब्रिगेड मैदान रैली में भरी हुंकार, कहा- बंगाल से महाजंगलराज खत्म होगा

प्रधानमंत्री मोदी टीएमसी पर बरसे

कोलकाता (ए)। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपका ये उत्साह, जोश बता रहा है कि बंगाल क्या सोच रहा है, बंगाल के मन में क्या चल रहा है।

ब्रिगेड परेड ग्राउंड का इतिहास साक्षी है कि जब-जब बंगाल देश को दिशा देता है, ये ब्रिगेड मैदान बंगाल की आवाज बनता है। इस मैदान से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उठी आवाज हिंदुस्तान में क्रांति बन गई थी। उसका नतीजा ये हुआ कि अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का खात्मा हुआ। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा, अब बंगाल से महाजंगलराज का खात्मा

होगा। इसलिए बंगाल के हर कोने से आवाज उठ रही है - चाई बीजेपी सरकार, अबकी बार!

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि यहां की निर्मम सरकार चाहे अब जितना जोर लगा ले, परिवर्तन की इस आंधी को वो अब रोक नहीं पाएगी। भाजपा और एनडीए के साथ महिषासुर मर्दिनी का आशीर्वाद है। श्री रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, ऋषि बंकिमचंद्र, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, खुदीराम बोस, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी सभी महान विभूतियों ने जिस बंगाल की कल्पना की थी। भाजपा की सरकार उस बंगाल का निर्माण करेगी, नवनिर्माण करेगी।

उन्होंने कहा, टएक समय बंगाल पूरे भारत को गति देता था, बंगाल व्यापार और उद्योगों में सबसे आगे था। लेकिन आज यहां का युवा न डिग्री ले पा रहा है और न ही उसे रोजगार मिल पा रहा है। आपके बेटे-बेटियों को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है।

पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और अब टीएमसी... ये लोग एक के बाद एक आते रहे... अपनी जेबें भरते रहे... और बंगाल में विकास के काम ठप्प पड़े रहे। टीएमसी

निर्मम सरकार बौखला गई है

सत्ताधारी दल पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा- कल टीएम ने इस रैली में आने वाले आप सभी लोगों को चोर कहकर गाली दी है। असली चोर कौन है, ये बंगाल की प्रबुद्ध जनता जानती है। अपनी कुर्सी जाते हुए देखकर यहां की निर्मम सरकार बौखला गई है। आज भी इस सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए, पोस्टर फड़वा दिए। लेकिन निर्मम सरकार साफ-साफ देख लो, आज के जनसैलाब को रोक नहीं पाई हो।

सरकार का एक ही एजेंडा है। ये टीएमसी वाले न खुद काम करेंगे, न करने देंगे। जब तक इनको अपना कटमनी नहीं मिल जाता, ये किसी भी योजना को गांव, गरीब तक नहीं पहुंचने देते। इसलिए टीएमसी सरकार केंद्र की योजनाओं को रोककर रखती है।

प. एशिया संकट: खर्ग द्वीप पर अमेरिकी हमला, जबाव में ईरान ने अमेरिका के तेल टर्मिनल को बनाया निशाना, लगी भीषण आग

दुबई (ए)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक बड़े तेल टर्मिनल में शनिवार को आग लग गई। यह घटना उस समय हुई, जब कुछ घंटे पहले ही अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप स्थित अड्डों पर बमबारी की। बताया जा रहा है कि ईरान ने जवाब में यूएई के तेल टर्मिनल को निशाना बनाया है। यूएई के तटीय शहर फुजैरा की दिशा से आसमान में काला धुआं उठता हुआ देखा गया। यह शहर एक बड़ा बंदरगाह स्थल है और क्षेत्र के तेल व्यापार में इसकी अहम भूमिका। यहां एक अहम तेल निर्यात टर्मिनल भी मौजूद है।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह आग उस मलबे के गिरने से लगी, जो एक ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराने के बाद नीचे गिरा था। अधिकारियों ने ऑनलाइन बयान में कहा कि गिरते

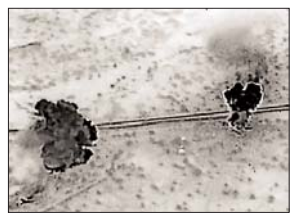

हुए टुकड़ों से आग लगी। हालांकि, घटना की सटीक जगह के बारे में जानकारी नहीं दी गई। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ईरान के बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से निपट रही है। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिकी बलों ने ईरान के खर्ग द्वीप पर स्थित ठिकानों पर बमबारी की है। खर्ग द्वीप ईरान के तेल उद्योग का एक बेहद अहम केंद्र है और देश के लगभग सभी कच्चे तेल के निर्यात को संभालता है।

अमेरिका-इस्राइल ने ईरान के तेल ढांचों को बनाया निशाना

28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान का युद्ध शुरू होने के बाद से उर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया है। इससे पहले इस्राइल ने तेहरान में तेल भंडारों पर हमला किया गया था। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में कुवैत से लकर ओमान तक फैली कई उर्जा संरचनाओं को निशाना बनाया। कई हमले बड़े तेल और गैस संयंत्रों पर केंद्रित रहे हैं। इनमें सऊदी अरब की विशाल रास तनुरा रिफाइनरी, कतर का रास लाफान गैस प्रसंस्करण केंद्र और संयुक्त अरब अमीरात में रुवैस रिफाइनरी वाला औद्योगिक परिसर शामिल हैं। इस युद्ध का असर होर्मुज जलमडमरूमध्य से होने वाली समुद्री परिवहन पर भी पड़ा है।

हम युद्ध नहीं चाहते वैश्विक नेताओं की जिम्मेदारी वे जंग रुकवाएं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि ईरान युद्ध नहीं चाहता था। इलाही ने आरोप लगाया कि जब वे बातचीत की मेज पर थे, तब उन पर हमला किया गया और इसी से इस युद्ध की शुरुआत हुई। एएनआई के साथ बातचीत में डॉ. इलाही ने कहा कि ये वैश्विक समस्याएं और संघर्ष ईरान की वजह से नहीं हैं, बल्कि दूसरे पक्ष द्वारा पैदा किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान दूसरे लोगों की पीड़ा, गैस, पेट्रोल या तेल की कमी से खुश नहीं है। हालांकि, उन्होंने अपनी रक्षा करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

बेहद जटिल स्थिति से निपट रहे, ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता प. एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय के अहम अपडेट

माल और ऊर्जा का निर्बाध पारगमन सुनिश्चित करना प्राथमिकता

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच शनिवार को भारत ने सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति और सामान के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा है कि स्थिति बेहद जटिल है। इस संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत लगातार संवाद और तनाव कम करने की अपील करता रहा है। उन्होंने भारत की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए कहा कि सामान और ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध जारी रहनी चाहिए और नागरिक ढांचे, खासकर ऊर्जा

से जुड़ी सुविधाओं पर हमले से बचना चाहिए। प्रवक्ता ने कहा, भारत ने लगातार जोर दिया है कि माल और ऊर्जा के निर्बाध पारगमन को सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकताओं में से एक रहा है।

हमने पूरे क्षेत्र में ऊर्जा सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचने का भी आह्वान किया है। हमारा मानना है कि वैश्विक समुदाय के एक बड़े हिस्से की भी यही प्राथमिकताएं हैं। जायसवाल ने कहा, संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। हमने खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्यों, ईरान, अमेरिका और इस्राइल सहित सभी पक्षों से वार्ताकारों के जरिये विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर संपर्क बनाए रखा है, ताकि उनके बातचीत की जा सके और अपनी प्राथमिकताओं पर जोर दिया जा सके, खासकर ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता। जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में अपने समकक्षों से बात की है। पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और हमारे दूतावास भी अपने वार्ताकारों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं। इस प्रक्रिया में जहाजरानी (शिपिंग) कंपनियों जैसे अन्य प्रमुख हितधारकों की चिंताओं को भी संबोधित करना पड़ा है।

एम्स में अब धीरे-धीरे हटेगा हरीश का लाइफ सपोर्ट, बेटे को मिलेगी एक सम्मानजनक मृत्यु

13 साल की जंग: देश में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली (ए)। 13 साल के संघर्ष के बाद हरीश राणा सुप्रीम कोर्ट के इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के फैसले के बाद शनिवार को एम्स में शिफ्ट किए गए। उन्हें बेहद ही गोपनीय तरीके से एम्स के पैलिएटिव केयर विभाग में शिफ्ट किया गया है। विभाग में विशेषज्ञों की निगरानी में हरीश का लाइफ सपोर्ट हटाने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

इस मामले में शुक्रवार को अमर उजाला की टीम हरीश राणा के घर पहुंची थी। जहां परिवार से बात के साथ हरीश की हालत की भी जानकारी ली गई। पिता अशोक राणा ने बताया कि हरीश को सांस लेने, फीड कराने के साथ मल त्याग के लिए नली लगी हुई हैं। पूरा परिवार उनके साथ रहा है। अब इस घड़ी में उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि किस प्रकार से प्रतिक्रिया देनी है। कुछ भी हो उनका बेटा अब छोड़कर ही जा रहा है। राहत सिर्फ इतनी है कि उसे एक सम्मानजनक मृत्यु मिलेगी।

सुबह आठ बजे निकला था परिवार- हरीश को लेकर परिवार शनिवार सुबह आठ बजे एम्स के लिए रवाना हो गया। बेहद गोपनीय तरीके से बिना प्रशासन को सूचना दिए परिवार के लोग निजी वाहन से निकले। पूरे परिवार संग कुछ सगे-संबंधी और बेटों के दोस्त

तीन गाड़ियों से रवाना हुए। इस मामले में सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन ने बताया कि परिवार ने जाने से पहले सूचना नहीं दी है। उन्हें कई बार कॉल किया, इसके बाद एक कर्मचारी को भी फ्लैट पर भेजा गया, जहां ताला लगा मिला।

पड़ोसी क्या बोले- राज एंपायर सोसायटी के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार अशोक राणा का परिवार 13वें फ्लोर पर रहता है। उनके फ्लैट के पास ही लिफ्ट है। उस लिफ्ट से व्हीलचेयर पर बैठाकर हरीश को बेसमेंट-2 में ले जाया गया। इसके बाद वही व्हीलचेयर छोड़कर निजी गाड़ी से परिवार रवाना हुआ। यहां से जाते हुए सभी की आंखें नम थीं।

कौन-कौन गया साथ- पड़ोसी नरेंद्र ने बताया कि वह आठ बजे निकले और साढ़े नौ बजे तक एम्स पहुंच गए। साथ में पिता अशोक राणा, मां निर्मला देवी, छोटा बेटा आशीष, बहन भावना और उसके पति संग आशीष के दोस्त और एकाध हरीश के दोस्त भी गए। कुछ अन्य रिश्तेदार भी गए।

यह है मामला- जुलाई 2010 में हरीश ने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में सिविल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया था। वर्ष 2013 में वह अंतिम वर्ष के छात्र थे। इसी दौरान अगस्त 2013 में रक्षाबंधन वाले दिन बहन से मोबाइल फोन पर बात करते हुए पीजी की चौथी मंजिल से गिर गए थे। गंभीर रूप से घायल हरीश को तुरंत पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती कराया गया। बाद में दिसंबर 2013 में उसे दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह क्वाड्रिप्लेजिया से ग्रसित है।

हाथ-पैर पूरी तरह निष्क्रिय हुए, जीवन भर बिस्तर पर रहने को मजबूर- इस स्थिति में उसके हाथ-पैर पूरी तरह निष्क्रिय हो गए और वह जीवन भर बिस्तर पर रहने को मजबूर हो गए।

92700 मीट्रिक टन गैस लेकर आ रहे शिवालिक और नंदा

सरकार ने बताया- कालाबाजारी के खिलाफ देशभर में छापेमारी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार सक्रिय है। भारत की राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर महत्वपूर्ण गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक तरफ जहां भारी मात्रा में एलपीजी गैस लेकर विशाल टैंकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू बाजार में आपूर्ति शृंखला को बाधित करने वालों के खिलाफ

एजेंसियों ने सख्त रुख अपना लिया है। शनिवार को सरकार की ओर से बताया गया कि शिवालिक और नंदा नाम के एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं और भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं। जहाजरानी मंत्रालय ने बताया कि तय योजना के मुताबिक, ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों- मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे।

बेमेतरा में बढ़ता जल संकट : अमोरा नदी का जलस्तर घटा, बंद पड़े वाटर एटीएम ने बढ़ाई चिंता, उपकरण भी गायब

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में संभावित जल संकट को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। जैसे-जैसे गर्मी का असर तेज हो रहा है, वैसे-वैसे शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली अमोरा नदी का जलस्तर लगातार कम होता जा रहा है।

स्थिति को देखते हुए लोगों में आशंका जताई जा रही है कि मार्च के अंत और अप्रैल की शुरुआत से ही बेमेतरा शहर में जल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। दरअसल, शहर और आसपास के कई गांवों में पेयजल की आपूर्ति अमोरा नदी के पानी को फिल्टर कर की जाती है, जिसका उपयोग लोग अपनी दैनिक जरूरतों के लिए करते हैं। यदि नदी का जलस्तर इसी तरह घटता रहा तो आने वाले दिनों में पेयजल संकट गहराने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने पहले ही बोर खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सोखता निर्माण जैसे कार्यों पर जोर दिया जा रहा है।

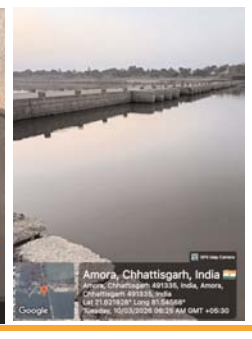

अवैध रेत खनन पर सवाल, प्रशासन की चुप्पी

सूत्रों के अनुसार जिले के कुछ क्षेत्रों में बिना खनिज विभाग की अनुमति के अवैध रेत खनन का कार्य शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर नदी और नालों से रेत निकाली जा रही है, लेकिन इस पर विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अवैध खनन पर समय रहते रोक नहीं लगी तो इससे नदी के जलस्तर और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में प्रशासन से सख्त निगरानी और कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

लगभग दो वर्षों से बंद पड़ा वाटर एटीएम, अब उपकरण भी गायब

शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के प्रयासों से जिला मुख्यालय में दो वाटर एटीएम स्वीकृत हुए थे, जिनसे लोगों को मीठा पानी मिल रहा था। लेकिन 5 जून 2024 को आए तेज आंधी-तूफान में भारत माता चौक स्थित वाटर एटीएम क्षतिग्रस्त होकर उखड़ गया। इसके बाद मरम्मत या नए वाटर एटीएम लगाने को लेकर जनप्रतिनिधियों की ओर से कई बार दावे किए गए, लेकिन करीब दो वर्ष बीतने के बाद भी न तो क्षतिग्रस्त एटीएम की मरम्मत हो सकी और न ही किसी अन्य स्थान पर नई व्यवस्था की गई। स्थिति यह है कि अब क्षतिग्रस्त वाटर एटीएम के उपकरण भी वहां से गायब हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर शहर में जल संकट की आशंका बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर पेयजल की सुविधाओं की अनदेखी चिंता का विषय बन गई है। नागरिकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि आने वाले समय में शहर को पानी की गंभीर समस्या का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर ने नदी तट पर जाकर जल आवर्धन एवं समूह जलप्रपात योजना का किया अवलोकन

कलेक्टर ने जलावर्धन एवं समूह जलप्रपात योजना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने कहा, जल आपूर्ति कार्य में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

गर्मी के मौसम में सरिया बरमकेला क्षेत्र के लोगों को शीघ्र पीने का पानी उपलब्ध कराने प्रयास

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

14 मार्च 2026/ गर्मी से पहले पेयजल की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शनिवार को बरमकेला विकासखंड में प्रगतिरत बरमकेला जलावर्धन योजना के निर्माणाधीन डब्ल्यूटीपी, पानी टंकी पाइपलाइन विस्तार एवं कलमा बैराज में निर्मित बरमकेला जलावर्धन कलमा बैराज में निर्मित समूह जलप्रदाय के इंटकवेल तथा सरिया के अमृत मिशन 2.0 के जल आवर्धन में बन रहे इंटकवेल कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया एवं इंटकवेल, डब्ल्यूटीपी, पानी टंकी पाइपलाइन विस्तार, पानी टंकी के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरे का उद्देश्य सरिया बरमकेला क्षेत्र के लोगों को गर्मी के मौसम में साफ पानी मिल सके और पेयजल की किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो। कलेक्टर ने कहा कि, जल आपूर्ति कार्य में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

धीमी गति पर ठेकेदार को फटकार-मौके पर इंटेकवेल में काम बंद होने तथा कार्य की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने संबंधित ठेकेदार और इंजीनियर को फटकार लगाई और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप एसडीओ बी एल खरे, सीएमओ सरिया, तहसीलदार, सीईओ जनपद, इंजीनियर आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बरमकेला पीएमश्री आत्मानंद स्कूल के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने 12वी बोर्ड परीक्षा का किया निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बरमकेला पीएमश्री आत्मानंद स्कूल में 12वीं बोर्ड परीक्षा के हिंदी प्रश्न पत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके साथ साथ उन्होंने पीएमश्री स्कूल में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उसे गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। डॉ संजय कन्नौजे ने नई शिक्षा नीति 2020 के सभी आयामों को विद्यालय में शत-प्रतिशत लागू करने के निर्देश दिये।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार पीएमश्री विद्यालय के सभी नियम निर्देश के बिंदुओं को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने को कह। कलेक्टर ने कहा है कि शिक्षा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार से समझौता नहीं किया जा सकता है। सभी शिक्षक समय पर उपस्थित रहे क्योंकि पीएमश्री स्कूल एक मॉडल स्कूल है इसलिए आप सभी का अनुसरण की अन्य विद्यालय भी करेंगे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन संचालक का भी जायजा लिया। विद्यालय में चाकचौबंद व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण को देखकर कलेक्टर ने विद्यालय के प्राचार्य के साथ-साथ सभी स्टाफ की प्रशंसा भी किया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा एवं नरेश कुमार चौहान सेजेस जिला नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

'कांकेर के युवाओं को बड़ी सौगात, 'पुना परियन-नई उड़ान' से सेना-पुलिस भर्ती की मिलेगी निःशुल्क तैयारी'

लिखित परीक्षा के साथ फिजिकल टेस्ट की भी कराई जाएगी तैयारी

कांकेर /मूक पत्रिका

जिला प्रशासन कांकेर द्वारा युवाओं को सेना, पुलिस एवं अन्य सुरक्षा सेवाओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल ÷पुना परियन-नई उड़ान÷ योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के तहत जिले के इच्छुक युवाओं को सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की भर्ती परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। यह पहल कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर तथा जिला पंचायत सीईओ हर्ष मंडावी के निर्देशन में संचालित होगी। कार्यक्रम के संचालन में जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद

और जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) नवनीत पटेल का मार्गदर्शन रहेगा। योजना के अंतर्गत उन युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा जो पुलिस विभाग में एसआई भर्ती, पुलिस आरक्षक भर्ती, भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती, थल सेना, जल सेना, वायु सेना भर्ती, एनडीए परीक्षा तथा वनरक्षक भर्ती जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होना चाहते हैं। जिला प्रशासन द्वारा इन परीक्षाओं के लिए लिखित परीक्षा के साथ-साथ शारीरिक दक्षता परीक्षा (फिजिकल टेस्ट) की तैयारी भी पूरी तरह निःशुल्क कराई जाएगी। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा युवाओं को दौड़, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और मानसिक क्षमता का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें ओपन जिम, विशाल खेल मैदान, हॉर्स राइडिंग प्रशिक्षण, विशेष शारीरिक प्रशिक्षण, स्विमिंग पूल की सुविधा तथा मानसिक क्षमता परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग शामिल है। इस योजना के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। चयन हेतु 1 अप्रैल को सुबह 9 बजे से काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। काउंसलिंग दो स्थानों पर होगी, जिसमें पहला केंद्र ग्राम चोगेल (मुल्ला), विकासखंड भानुप्रतापपुर में दिल्ली रोड पर तथा दूसरा केंद्र जिला मुख्यालय कांकेर के सिंगारभाट स्थित वृद्ध खेल मैदान परिसर में बनाया गया है। जिला प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाते हुए समय पर पंजीयन कराएं और अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं। इस पहल से जिले के युवाओं को सेना और पुलिस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में करियर बनाने का नया अवसर मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 7389562231 और 6254409251 पर संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने किया गोधाम योजना का शुभारंभ, घुमंतू पशुओं के संरक्षण को मिलेगा नया सहारा

एनजीओ और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से होगा संचालन, चरवाहा को मिलेगा मानदेय

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर-उत्तर बस्तर कांकेर 14 मार्च 2026 मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिला बिलासपुर के तखतपुर विकासखंड के ग्राम लाखासार से गोधाम योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कांकेर के कृषि विज्ञान केंद्र में वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग की जिला स्तरीय समिति कांकेर के अध्यक्ष सोनसाय साहू थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गोधाम योजना गौ-सेवा के क्षेत्र में एक कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी पहल है। इससे घुमंतू पशुओं के संरक्षण और संवर्धन में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि गोधाम का संचालन पंजीकृत एनजीओ एवं स्व-सहायता समूहों के माध्यम से किया जा सकेगा। इसके लिए गांव में उपलब्ध गोठान, जहां बिजली, पानी, फेंसिंग और पर्याप्त जगह जैसी सुविधाएं हों, वहां गोधाम संचालित किया जा सकता है। गोधाम के

संचालन के लिए सेवा भाव जरूरी है, जिससे गो-धन की बेहतर देखभाल की जा सके। कार्यक्रम को निर्मला नेताम एवं प्रदीप साहू ने भी संबोधित किया। पशुधन विकास विभाग के उप संचालक डॉ. सत्यम मिश्रा ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि गोधाम संचालन के लिए पूर्व में 8 अक्टूबर 2025 तक रुचि की अभिव्यक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिसमें 33 आवेदन प्राप्त हुए थे, लेकिन अपूर्ण होने के कारण सभी निरस्त कर दिए गए। इसके बाद पुनः 26 फरवरी 2026 से 12 मार्च 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए, जिसमें एक आवेदन प्राप्त हुआ है जो प्रक्रियाधीन है। जिले में आधारभूत संरचना वाले 15 गोठानों का चयन गोधाम के लिए किया गया है। योजना के तहत गोधाम में पशुओं की देखरेख के लिए चरवाहा की व्यवस्था की जाएगी, जिसे प्रतिमाह 10 हजार रुपये मानदेय प्रदान किया जाएगा। पशुओं की देखभाल एवं चिकित्सा के लिए गो-सेवक, मितानिन तथा निजी कृत्रिम गर्भाधान कर्मियों की भी सेवाएं ली जाएंगी। इस योजना के माध्यम से जिले में आवारा एवं घुमंतू पशुओं के संरक्षण के साथ-साथ गो-धन के बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। गौधाम योजना के शुभारंभ अवसर पर अखिलेश चन्द्रौल, राजा साहू, पशुधन विभाग से डॉ. शालिकराम चन्द्राकर, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बिरबल साहू सहित पशुपालक कृषक, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं पशुधन विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी व एनजीओ के सदस्यगण मौजूद थे।

दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रार्थी लेखराम निर्मलकर उम्र 41 साल साकिन वार्ड नं. 01 पिकरी बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका पुत्र मृतक प्रवीण निर्मलकर को लोभन सिंह वर्मा पिता कमलेश वर्मा उम्र 25 साल निवासी धोबनी दामाखेडा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार, हाल पता वार्ड नं. 10 कोबिया बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा के मोबाईल दुकान से 1,50,000/- रूपए चोरी करने के इल्जाम लगाने पर मृतक के पिता द्वारा प्रति माह 5 हजार रूपए लोभन सिंह वर्मा को देना तय होने पर इकरारनामा तैयार किया गया। कि पुनः लोभन वर्मा के द्वारा मृतक प्रवीण निर्मलकर को तुम पैसा नहीं दे रहे हो कहकर हमेशा मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताडित करने से मृतक प्रवीण निर्मलकर ने दिनांक 16.06.2025 के रात्रि 22:30 बजे से 17.06.2025 के सुबह करीबन

05:00 बजे के मध्य मारूति गैरेज पिकरी में फांसी लगाकर फौत हो जाने से मर्ग, सदर धारा 194 बीएनएसएस कायम कर मृतक के शव का पंचनामा कार्यवाही कर पीएम कराया गया। लोभन सिंह वर्मा के द्वारा पैसों की मांग को लेकर मृतक को दबाव डालना तथा मृतक के घर में जाकर धमकी देने के कारण मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताडित होने से लोभन सिंह वर्मा के द्वारा मृतक को आत्महत्या करने दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करना मर्ग जांच पर पाए जाने पर लोभन वर्मा के विरूद्ध थाना बेमेतरा में अपराध सदर धारा 108 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी लोभन वर्मा उम्र 25 वर्ष, निवासी धोबनी दामाखेडा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार, हाल पता वार्ड नं. 10 कोबिया बेमेतरा को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर पता चला कि लोभन वर्मा के मोबाईल दुकान से 1,50,000/- रूपए प्रवीण निर्मलकर के द्वारा चोरी करने से प्रवीण निर्मलकर के पिता लेखराम निर्मलकर से इकरारनामा कर 5 हजार रूपए प्रतिमाह देना तय होने व लेखराम निर्मलकर द्वारा 5 ङ्क 5 हजार रूपए करके 25 हजार रूपए देना, फिर भी इनके द्वारा लेखराम निर्मलकर व मृतक प्रवीण निर्मलकर को पैसा नहीं दे रहे हो कहकर बार-बार बोलना कि मृतक प्रवीण निर्मलकर को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने से फांसी लगाकर आत्महत्या करना। आरोपी लोभन वर्मा पिता कमलेश वर्मा उम्र 25 वर्ष, निवासी धोबनी दामाखेडा, थाना सिमगा, जिला बलौदाबाजार, हाल पता वार्ड नं. 10 कोबिया बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा को बीते शुक्रवार को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक रेशम लाल भास्कर, महिला प्रधान आरक्षक रीना गायकवाड, आरक्षक कुसुम लाल कोशले सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफका महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

कमर्शियल सिलेंडर पर रोक से बंद होने लगे छोटे व्यवसायिक प्रतिष्ठान, कीमत के साथ बढ़ी सिलेंडर की पेंडेंसी

गैस की किल्लत से बढ़ी पेंडेंसी, उपभोक्ता हलाकान

रायगढ़/मूक पत्रिका

एल पी जी गैस की किल्लत अब शहर में भी देखने को मिल रहा है। डीलरो ने जहां व्यवसायिक सिलेंडरों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।वही उपभोक्ताओं को भी इसके लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है।इसका कारण बुकिंग नम्बर को बंद किए जाने के साथ ही एल पी जी वाहनों के दो दिनों में औसतन एक बार आने को बताया जा रहा है।नतीजन शहर के प्रमुख गैस एजेंसियों में भारी भरकम पेंडेंसी के रूप में देखने को मिल रही है। पूर्व में जहां उपभोक्ता बुकिंग के लिए दिए गए सरकारी नंबर का प्रयोग करते थे। वहीं इसके लिए उन्हें फोन पे अथवा गूगल पे का सहारा लेना पड़ रहा है।व्यवसायिक सिलेंडरों पर लगे प्रतिबंध के बाद शहर में भी कई ठेले, खोमचे सहित व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद नजर आ रहे है।

कीमत के साथ बढ़ी सिलेंडर की पेंडेंसी-गौरतलब हो जिले में एल पी जी गैस के कुल 3 लाख 37 हजार 25 उपभोक्ता है।जिनमें सर्वाधिक

1 लाख 17 सौ 18 उपभोक्ता रायगढ़ ब्लॉक में मौजूद है।इन कनेक्शनों में घरेलू कनेक्शनों में 56279 सिंगल कनेक्शन,66हजार949 डबल कनेक्शन एवं 1235 व्यवसायिक कनेक्शन सहित 2 लाख 34 हजार 5 सौ उज्जवला योजना के शामिल है।अब बात करे वर्तमान में चल रहे अमेरिका ,ईरान एवं इजरायल के मध्य चल रहे युद्ध के कारण एल पी जी गैस की आवक प्रभावित हुई है।वही इसकी कीमतों में भी 60 रुपए का इजाफा हुआ है।पूर्व में जहां इसकी निर्धारित दर 942 रुपए थी वही अब बढ़कर 1हजार 2 रुपए कीमत हो गई है।एजेंसी संचालकों की माने तो सिलेंडर की गाड़िया तो आ रही है।परन्तु बुकिंग बगैर सिलेंडर देना संभव नहीं है।बताया जा रहा है कि छोटे वाहनों में जहां 360 सिलेंडर परिवहन की क्षमता होती है।तो वही बड़े वाहन 468 रिफिल परिवहन कर लाते है।अब बात करे शहर के दो प्रमुख गैस एजेंसियों की तो एच पी गैस कोतरा रोड में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 23 हजार बताई गई है।जहां रोजाना 3 सौ उपभोक्ताओं द्वारा रोजाना बुकिंग कराई जाती है।बावजूद इसके पेंडेंसी 15 सौ बताई जा रही है।वही गौरी शंकर मंदिर मार्ग स्थित इंडियन गैस एजेंसी में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 14 हजार बताई गई।जहां रोजाना 4 सौ उपभोक्ता ऑन लाइन रिफिल बुकिंग कराते है।परन्तु यहां भी पेंडेंसी 1397 बताई गई।अब अगर सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में पहुंच रहा है।तो आखिर भारी भरकम पेंडेंसी क्यों।

बंद पड़े प्रतिष्ठान..??-एलपीजी गैस की समस्या को देखते हुए कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर लगी रोक का असर अब शहर में साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। गैस की उपलब्धता नहीं होने के कारण छोटे-छोटे ठेले, खोमचे और कई छोटे प्रतिष्ठान संचालकों ने अपने व्यवसाय अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं। दरअसल, चाय-नाश्ते की दुकानें, फास्ट फूड ठेले, ढाबे और अन्य छोटे व्यवसाय पूरी तरह कमर्शियल गैस सिलेंडरों पर निर्भर रहते हैं। सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से इन दुकानदारों के सामने कामकाज चलाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में मजबूरीवश कई संचालकों ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं, जिससे शहर के कई इलाकों में रोजमर्रा की छोटी-छोटी खाद्य सामग्री उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

जिला न्यायालय बेमेतरा में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत में कुल 12975 प्रकरणों का सफलता पूर्वक हुआ निराकरण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला न्यायालय बेमेतरा में वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीप प्रज्जवलन कर लोक अदालत का शुभारंभ किया तथा कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण एवं पक्षकारगण को अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दी गई। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा लोक अदालत की विशेषता बताते हुए कहां कि पक्षकारों के मन में पुराने समय से चल रही वैमनस्यता को दूर करने के लिए लोक अदालत बहुत अच्छा माध्यम है। यह एक राष्ट्र के प्रति सेवा है, जिसमें हमें बढ चढ़कर अपनी सहभागिता देनी चाहिए, तथा न्यायालय में लंबित मामलों के अधिक से अधिक निराकरण कर सौहाद्रपूर्ण वातावरण का निर्माण कर राष्ट्र के विकास में सहयोग प्रदान करना चाहिए। लोक अदालत में जिला न्यायालय प्रांगण में जिले के कोने-कोने से पक्षकार अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए उपस्थित हुये, जिनकी सुविधा के लिए विधिक सहायता डेस्क, स्वचलित चिकित्सकीय वेन, स्वास्थ्य डेस्क व समस्त बैंक, विद्युत विभाग, नगर पालिका एवं बीएसएनएल विभाग द्वारा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु स्टॉल लगाया गया, जिसमें उनके द्वारा नेशनल लोक अदालत के अवसर पर उनके विभागों में संचालित योजना से पक्षकारों को अवगत कराते हुए समझौता कर प्री-लिटिगेशन प्रकरणों एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को निराकृत करने हेतु प्रोत्साहित किया, जिसके परिणाम स्वरूप बैंक के 07 प्रकरण एवं विद्युत विभाग के 89 प्रकरण निराकृत हुए। नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय में 8 खण्डपीठ और तहसील साजा न्यायालय में 1 खण्डपीठ इस प्रकार जिला में कुल 9 न्यायालयीन खण्डपीठ का गठन कर दो-दो सुलहकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की गई। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के अनुक्रम में समस्त न्यायालीन कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर्स, जिला प्रशासन, जिला एवं जनपद पंचायत, नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिले की समस्त बैंको सहित अन्य समस्त विभागों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है।

3 करोड 16 लाख 55 हजार रूपये अवार्ड राशि का हुआ वितरण- जिले में 10302 प्री-लिटिगेशन व लंबित प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया था जिसमें से राजस्व प्रकरण, विद्युत विवाद, बैंक प्रकरण व बी.एस.एन.एल. प्रकरणों का निराकरण कर कुल 29,70,449 /- रूपये की वसूली की गई। न्यायालय में लंबित 42 अपराधिक प्रकरण, 16 सिविल प्रकरण, 09 पारिवारिक प्रकरण, 08 एनआई एक्ट धारा 138 प्रकरण, 27 मोटर दुर्घटना दावा व 2893 अन्य प्रकरण का निराकरण कर कुल 2,86,85,426 /- रूपये का अवार्ड पारित कर जिलें में रिकॉर्ड अनुसार 3,16,55,875 /- रूपये की समझौता राशि वसूली गई।

न्याय वृक्ष, प्रेरणादायक सुविचार एवं द्वार तोरन के माध्यम से प्राधिकरण की योजनाओं के प्रति जनमानस को किया गया जागरूक- नेशनल लोक अदालत में नालसा एवं सालसा योजनाओं एवं अभियानों की व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा योजनाओं / अभियानों एवं कानूनी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में न्याय वृक्ष एवं द्वार तोरन बनाकर प्रदर्शनी के माध्यम से नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दिया तथा न्याय सबके लिए संदेश देते हुये बाल विवाह एवं बलात्कार पीड़िता के गर्भ का चिकित्सीय समापन, मोटर यान अधिनियम, हिट एन रन, साइबर काईम, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह व अन्य विधिक विषयों से संबंधित पाम्पलेट का वितरण किया गया। तथा प्रेरणादायक सुविचारों को छोटे-छोटे तख्तियों के माध्यम से समस्त न्यायालय परिसर में लगाकर पक्षकारों को आपसी रंजीश, नफरत व वैमनस्यता को दूरकर समझौता करने, बाल विवाह रोकने में सहयोग प्रदान करने एवं सड़क सुरक्षा हेतु प्रोत्साहित किया। नेशनल लोक अदालत में उपस्थित पक्षकारों को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु लघु फिल्मों का प्रसारण एवं महिलाओं के विरूद्ध अपराध व साइबर काईम विषय पर किया जिला न्यायालय परिसर में आमजन को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु प्रोजेक्टर के माध्यम से घरेलू हिंसा, लैंगिक अपराधों से संबंधित, महिलाओं से छेड़छाड़ व साईबर क्राईम, मोटर दुध टिना सहित विभिन्न विषयों पर लघु फिल्म दिखायी गयी, जहां पक्षकारों के लिए बैठक व पेय जल की व्यवस्था की गई। साथ ही प्राधिकरण की गतिविधियों की झलकियां भी दिखाई गई।

पक्षकारों को प्रोत्साहन स्वरूप किया गया पौधों का वितरण-- नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को निःशुल्क पौधा वितरण डेस्क से फलदार, छायादार पौधों का वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही पक्षकारों के लिए सेल्फी जोन भी रखा गया। समझौता करने वाले पक्षकरों को न्यायालय के पीठासीन अधिकारी द्वारा तुलसी का पौधा भेंट कर प्रोत्साहित किया।

व्यवहार वाद का समझौते के माध्यम से निराकरण कर पक्षकारों को सस्ता, सुलभ व त्वरित न्याय प्रदान किया- खण्डपीठ कमांक 01 माननीय न्यायालय, श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा के न्यायालय में वादी कमल सिंग एवं अन्य द्वारा प्रतिवादी श्रीमती मिथिलेश गिरी के पक्ष में दिनांक 25.11.2025 को निष्पादित विकय पत्र को, प्रतिवादी द्वारा विक्रय पत्र निष्पादन के पश्चात् विकय प्रतिफल की राशि 23,80,000 /- रूपये अदा नही किये जाने के कारण शून्य एवं अवैध घोषित कराने एवं उक्त भूमि पर वादीगण का स्वत्व घोषित किये जाने और वादीगण के पक्ष में स्थायी निषेधाज्ञा की निर्णय एवं डिकी पारित करने बाबत् प्रस्तुत किया गया है, जिसमें पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यगणों के समझाईश देने के उपरांत प्रतिवादी विक्रय प्रतिफल की राशि वादीगण को प्रदान करने के लिए तैयार हो गयी। इस समाधान से दोनों पक्षों का समय और धन की बचत हुई। दोनों पक्षों ने लोक अदालत के प्रति आधार व्यक्त किया और इसे त्वरित एवं सुलभ न्याय का उत्कृष्ट माध्यम बताया।

पैतृक सम्पति के विवाद के मामलें में न्यायालय के समझाईश पर परिवार हुए एक- आयोजित नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क. 07 पीठासीन अधिकारी सुश्री श्रुति साहू के न्यायालय में कुल 06 व्यवहार वाद में पक्षकारों के मध्य आपसी राजीनामा होने के आधार पर उक्त व्यवहार वाद का निराकरण किया गया है, जिसमें एक व्यवहार वाद में एक ही परिवार के 07 भाई-बहन के मध्य जमीन को लेकर वाद-विवाद यह था कि उभयपक्ष के पिता जी की मृत्यु हो जाने के पश्चात् प्रतिवादीगण पैतृक सम्पति का अपना अधिपत्य कर अन्य परिवार की सदस्यों के हितों को दरकिनार कर पैतृक सम्पति पर अपना अपना नाम दर्ज करा लिया एवं उस पर कास्त काबिज होने लगे। परिवार के अन्य सदस्यों को उक्त संबंध में जानकारी होने पर उनके द्वारा परिवारिक रिश्तेदारों के बीच अपने हक एवं पैतृक सम्पति की मांग की गई। वादीगण, द्वारा अपने पैतृक सम्पति पर स्वयं को अधिकार एवं हक नहीं मिलने पर वर्ष 2024 से पैतृक सम्पति में अपना हक एवं बटवारा प्राप्त करने हेतु यह वाद पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें पीठासीन न्यायिक अधिकारी द्वारा पारिवारिक संबंध में दृढ़ता लाने के लिये पक्षकारों को आपस में बात करने, आपस में कलह व वाद को समझौता के माध्यम से आपसी सहमति से वाद समाप्त करने की समझाईश देने पर दोनों पक्ष समझौते के लिए तैयार हुए तथा सम्पति का बटवारा समझौते के अनुसार सापसी समझौते से किया गया। इस प्रकार दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद व आपसी कटुता समाप्त होकर उनके बीच पुनः मधुर संबंध स्थापित हो गया। इसी प्रकार 05 अन्य वर्ष 2022 के प्रकरणों में भी पक्षकरों को उनके संबंधों एवं वाद के संबंध मे समझाईश देने पर आपसी सहमति से प्रकरण के निराकरण में लोक अदालत के महत्व को समझते हुये उनके मध्य भी राजीनामा कराया गया। इसी प्रकार खण्डपीठ कमांक 08 के पीठासीन अधिकारी सुश्री सार्विका चतुर्वेदी एवं सुलहाकर्ता सदस्यों के द्वारा वादी एवं प्रतिवादीगण आपस में रिश्तेदार (सगे भाई-बहन) है। दोनों के बीच आपस में जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहा वाद - विवाद आपसी कटुता का कारण बन गया था। न्यायालय द्वारा वादी एवं प्रतिवादीगण के हितों व आपसी संबंधों के संबंध में समझाईश दिया गया तथा कानूनी सलाह के लिए मध्यस्थता केन्द्र प्रेषित किया गया, जहां दोनों पक्षों को जानकारी होने के उपरांत प्रकरण के तत्काल निराकरण किये जाने हेतु उभयपक्ष द्वारा आपस में मधुर संबंध स्थापित कर बिना किसी डर दबाव के राजीनामा पर सहमति होना व्यक्त किया गया। इस प्रकार सभी भाई-बहनों के मध्य लोक अदालत के माध्यम से समझौता होने से समय व संबंध दोनों बच गये। इसी प्रकार अन्य प्रकरण में आवेदिका एवं अनावेदक पति-पत्नी है, दोनों के बीच आपस में घरेलू वाद-विवाद हो गया था, जिससे आवेदिका के द्वारा प्रकरण को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा आवेदिका एवं अनावेदकगण को उनके हितों के संबंध में समझाईश देने पर दोनों पक्षों के मध्य आपसी सहमति बनी और दोनों परिवारों के मध्य आपस में मधुर संबंध स्थापित होकर समझौता किया गया। पक्षकारों ने लोक अदालत को रिश्तों को बचाने वाला मंच बताया। इस प्रकार आवेदिका के समझौता के तहत् अपने पति के साथ उसके घर जाकर रहना व्यक्त किये जाने से परिवार बिखरने से बच गया।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, निष्पादन एमएसीटी के प्रकरणों में पीड़ित परिवार को राहत- नेशनल लोक अदालत में सड़क दुर्घटना से पीड़ित पक्षकरों के बीच त्वरित निपटारा हुआ। क्लेम प्रकरण कमांक 137/2025 में पीड़ित पक्ष द्वारा न्यायालय में 83,00,000 /- रूपये अवार्ड राशि प्राप्त करने के लिए प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, जिसमें खण्डपीठ कमांक 03 पीठासीन अधिकारी माननीय देवेन्द्र कुमार एवं सदस्यगण कमशः श्री गिरीश शर्मा अधिवक्ता एवं श्री राहुल साहू अधिवक्ता के द्वारा समझाईश देने पर उभयपक्ष द्वारा 83,00,000 /- रूपये के स्थान पर 20,00,000/- रूपये में समझौता किया गया। इसी प्रकार व्यवहार वाद कं0 013/2022 में वादीगण द्वारा 33,00,000/- रूपये के लिए प्रस्तुत वाद में समझौता करते हुए 22,00,000/- रूपये प्राप्त कर लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत प्राप्त किया।

अनेक अपराधिक मामले का लोक अदालत के माध्यम से सरलता पूर्वक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा किया गया निपटारा- नेशनल लोक अदालत की खण्डपीठ कमांक 05 पीठासीन अधिकारी श्री मोहित सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सुलाहकर्ता सदस्यों द्वारा आपराधिक मामले में प्रार्थीगण तथा आरोपीगण के मध्य मोटर सायकल को लेकर खडे रहने संबंधी मामले को लेकर दोनों पक्षों के मध्य हुए अश्लील गाली गलौच, धमकी एवं हाथ मुक्के से मारपीट की घटना में लगभग 04 वर्ष के पश्चात् न्यायालय द्वारा समझाईश दिए जाने पर दोनों पक्ष द्वारा राजीनामा हेतु सहमति व्यक्त किया गया। प्रार्थी, पीडितगण एवं आरोपीगण द्वारा सौहार्द्रपूर्ण सहिष्णुता का आचरण भविष्य में किए जाने का संकल्प लिया गया। इसी प्रकार एक अन्य दांडिक प्रकरण में एक दूसरे गांव के अनजान व्यक्तियों के बीच मछली मारते समय सामान्य बातचीत व विवाद को लेकर, प्रार्थी से आरोपीगण के मध्य हुई अश्लील गाली गलौच, धमकी एवं मारपीट किये जाने से संबंधित रहा है। इस प्रकरण में भी उभय पक्षकारों द्वारा आपसी सहमति से राजीनामा कर मामले को समाप्त कराया गया। यह मामला वर्ष 2023 से लंबित रहा है और प्रार्थी आरोपीगण को दंडित करने के लिए प्रतिबद्ध था, किंतु अनेक प्रयासों के बाद अंततः प्रार्थी आरोपीगण से राजीनामा करने हेतु सहमत हुए। न्यायालय द्वारा किए गए अनेक प्रयास से उभय पक्षकारगण समझौता हेतु तैयार हुए और इनके द्वारा आपस में स्वेच्छापूर्वक राजीनामा करने की इच्छा व्यक्त की गई। पक्षकारों ने न्यायालय में समझाये जाने पर आज की नेशनल लोक अदालत में आपस में राजीनामा किया।

पिता - पुत्र हुए एक, 06 वर्ष से चला आ रहा लड़ाई ङ्क झगड़े हुआ समाप्त एवं अन्य पारिवारिक मामलों का हुआ निपटारा- प्रकरण क्रमांक 1425/2025 अपराध क्रमांक 413/2020 थाना बेमेतरा में दिनांक 02.08.2020 क. प्रार्थी ने अपने छोटे भाई को गेंगेरवा खोदने से मना करने पर आपस में लड़ाई झगड़ा करते हुए प्रार्थी द्वारा अपने छोटे भाई को एक थप्पड़ मार दिया जिससे आरोपी पिता द्वारा अपने पुत्र प्रार्थी को मां-बहन की गंदी-गंदी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर लकड़ी के बेठ से मारपीट किया गया। उक्त बाप बेटे का प्रकरण आज दिनांक 14.03.2026 को नेशनल लोक अदालत में रखा गया था। उक्त अभियुक्त एवं आहत /प्रार्थी को पीठासीन अधीकारी मो0 जहांगीर तिगाला, सदस्य प्रसून शुक्ला एवं घनश्याम वर्मा के द्वारा समझाईश देकर दोनों बाप-बेटे के मध्य चल रहें विवाद का लगभग 06 साल बाद बिना किसी डर, दबाव एवं भय के स्वतंत्र सहमति के आधार पर राजीनामा कर प्रकरण समाप्त किया गया। इसी प्रकार प्रकरण क्रमांक 605/2020, अपराध क्रमांक 167/2020, थाना बेरला एवं प्रकरण क्रमांक 576/2020, अपराध क्रमांक 168/2020, थाना बेरला में आरोपीगण का आपस में एक-दूसरे के खिलाफ मामला पंजीबद्ध है। जिसमें आरोपीगण द्वारा विवादित जमीन का सीमांकन आर0आई0 एवं पटवारी के द्वारा किया गया, जिसमें आरोपीगण द्वारा विवादित भूमि को सीमांकन को नहीं मानूंगा कहकर जमीन में लगे खम्भा को निकाल कर फेंक दिया और आपस में एक-दूसरे को मां बहन की गंदी-गंदी गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देकर आपस में मारपीट किया। उक्त दोनों काउंटर प्रकरण को आज दिनांक 14.03.2026 को नेशनल लोक अदालत में रखा गया था। उक्त आरोपीगण का विवाद को पीठासीन अधीकारी मो0 जहांगीर तिगाला, सदस्य प्रसून शुक्ला एवं घनश्याम वर्मा के द्वारा समझाईश देकर बिना किसी डर, दबाव एवं भय के स्वतंत्र सहमति के आधार पर राजीनामा कर प्रकरण समाप्त किया गया।

शासकीय पीजी कॉलेज बेमेतरा में बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला का हुआ आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पीजी कॉलेज बेमेतरा में छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के तत्वाधान में बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वैज्ञानिक 'डी 'डॉ.अमित दुबे उपस्थित हुए। उन्होंने नए आविष्कार के पेटेंट और नित नए खोज के लिए छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी की पूजा अर्चना के साथ हुआ जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वीणा त्रिपाठी के साथ समस्त स्टॉफ और छात्र छात्राएं शामिल हुए। प्राचार्य ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में खोज करने और भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया। अन्य वक्ता के रूप में अवि गर्ग वकील दिल्ली ने आविष्कारों को नियम पूर्वक पेटेंट कराने का उल्लेख किया कि गलत तरीके से किए गए आविष्कारों पर कार्यवाही भी हो सकती है। सभी प्रकार के खोज नियम पूर्वक होना चाहिए। इस कार्यक्रम में अन्य वैज्ञानिक महेंद्र चंद्रवंशी ने संबोधित किया। कार्यक्रम के संयोजक डी आर साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि नए आविष्कार के लिए युवाओं को सामने आना चाहिए छोटे छोटे आविष्कार जीवन में बदलाव लाया जा सकता है। श्री साहू ने सभी वक्ताओं का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना जितेंद्र बारले ने किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवाचार के लिए युवाओं को प्रेरित करना था।

राजीव भवन में जिला कांग्रेस की बैठक, 17 मार्च के विधानसभा घेराव को लेकर बनी रणनीति

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राजीव भवन बेमेतरा में बीते शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 17 मार्च 2026 को नवा रायपुर में प्रस्तावित विधानसभा घेराव को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। यह घेराव प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता द्वारा कथित रूप से की गई अफीम की खेती के विरोध तथा मनरेगा बचाओ आंदोलन के तहत आयोजित किया जा रहा है।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आंदोलन को सफल बनाने तथा बेमेतरा जिले से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए संगठन का मजबूत होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 17 मार्च को होने वाले विधानसभा घेराव में बेमेतरा जिले के कार्यकर्ता अग्रिम भूमिका निभाएंगे और बड़ी संख्या में नवा रायपुर पहुंचेंगे। बैठक में विशेष रूप से सुनील माहेश्वरी, आनंद सिंह ठाकुर, लाल जी चंद्रवंशी तथा सुजित बघेल उपस्थित रहे। बैठक में नव नियुक्त जिला कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों के साथ महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, सेवादल, अल्पसंख्यक कांग्रेस, अनुसूचित जाति व जनजाति प्रकोष्ठ, युवा कांग्रेस तथा एनएसयूआई के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस दौरान बूथ समितियों के गठन और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर सक्रिय और जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को शामिल करते हुए मजबूत समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें महिलाओं, युवाओं, किसानों, मजदूरों और सामाजिक रूप से सक्रिय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन मनोज शर्मा ने किया, जबकि अंत में जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रांजल तिवारी ने उपस्थित सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

जिले में गौधाम योजना का हुआ शुभारंभ

गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए जनभागीदारी जरूरी : सांसद विजय बघेल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश सरकार द्वारा पशुधन को राज्य की अर्थव्यवस्था से जोड़ने तथा गौ संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गौधाम योजना की शुरुआत की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर जिले के ग्राम कोनी में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम के जरिए पूरे प्रदेश में इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ किया। इसी क्रम में जिला बेमेतरा के साजा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत केवतरा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी गौधाम योजना का शुभारंभ किया गया तथा पशुपालक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

पशुधन संरक्षण में जनभागीदारी आवश्यक ङ्क सांसद विजय बघेल- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए। उन्होंने कहा कि गौधाम योजना से प्रदेश में घुमंतू और आवारा पशुओं की समस्या पर नियंत्रण करने में मदद मिलेगी तथा सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली पशुधन क्षति को भी रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि गौ सेवा में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। किसी भी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जनता की सहभागिता और सहयोग जरूरी होता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गौ माता को लावारिस न छोड़ें और उनकी सेवा में अपनी सार्थक सहभागिता सुनिश्चित करें।

जल संरक्षण पर भी दिया विशेष जोर- सांसद बघेल ने जल संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने नागरिकों से पानी की बर्बादी रोकने और अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं बनाने की अपील की, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण किया जा सके।

गौ सेवा पुण्य का माध्यम ङ्क विधायक दीपेश साहू- कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दिपेश साहू ने कहा कि गौ सेवा पुण्य अर्जित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से निस्वार्थ भाव से गौ माता की सेवा करने और इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

जिले में 19 गौधाम स्थापित करने का प्रस्ताव- इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि गौ संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि योजना से आवारा मवेशियों की रोकथाम, सड़क दुर्घटनाओं में कमी और पशुधन के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर ने बताया कि जिले में कुल 19 गौधाम के संचालन हेतु प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे पशुधन प्रबंधन को व्यवस्थित रूप दिया जा सकेगा।

पशुपालकों का किया गया सम्मान- कार्यक्रम के दौरान पशुपालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पशुपालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष जीतेन्द्र साहू , वरिष्ठ जनप्रतिनिधि अजय साहू , जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेमलता पदमाकार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित थे।

संपादकीय

राष्ट्रपति की गरिमा के खिलाफ

गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नौवें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में भाग लेने के दौरान कथित लापरवाही के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। ये कथित लापरवाही प्रोटोकॉल, मार्ग सुरक्षा और कार्यक्रम स्थल प्रबंधन से संबंधित हैं। पश्चिम बंगाल में आयोजित इंटरनैशनल संथाल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे से जुड़ा विवाद केवल कार्यक्रम में व्यवस्था तक सीमित नहीं। यह मामला अब संवैधानिक गरिमा, प्रशासनिक जवाबदेही और चुनावी राजनीति का बन चुका है। राष्ट्रपति का खुद सार्वजनिक रूप से खामियों की ओर इशारा करना भी सामान्य बात नहीं है। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब कार्यक्रम स्थल आखिरी समय में बदल दिया गया। स्थानीय प्रशासन का तर्क था कि मूल स्थान भीड़भाड़ वाला था। लेकिन, राष्ट्रपति ने खुद उस स्थान का दौरा किया और कहा कि जगह पर्याप्त थी। इसके अलावा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और दूसरी लापरवाही की बात भी कही जा रही है। भारत में राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर माना जाता है। केंद्र और राज्यों में सरकार चाहे किसी की भी हो, लेकिन राष्ट्रपति का कार्यक्रम कभी किसी राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ता। यह पद किसी व्यक्ति की नहीं, देश की गरिमा और प्रतिष्ठा से जुड़ा है। ऐसे में अगर राष्ट्रपति खुद यह महसूस करती हैं कि उनके सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया, तो कई सवाल खड़े होते हैं।राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर सख्त नियम है, जिनका पालन हर हाल में करना होता है। राष्ट्रपति को आमतौर पर राज्य के मुख्यमंत्री रिसीव करते हैं या उनकी तरफ से नॉमिनेट उनका कोई मिनिस्टर। बताया जा रहा है कि बंगाल में ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने इस चुक पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। लेकिन, इस घटना से जुड़ा एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है पश्चिम बंगाल की राजनीति। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्य टक्कर भाजपा व सत्ताधारी टीएमसी के बीच मानी जा रही।चुनावी मैदान की यही तल्खी अब संवैधानिक परंपराओं में दिख रही है। टीएमसी ने केंद्र पर राष्ट्रपति पद के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाया है। सीएम ममता बनर्जी कह रही हैं कि कोई प्रोटोकॉल नहीं टूटा।यह कार्यक्रम संथाल आदिवासियों से जुड़ा था। राष्ट्रपति खुद इस समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। लेकिन, अब ध्यान मुख्य मुद्दे से हटकर इस विवाद की ओर चला गया। इस मामले से यह भी पता चलता है कि देश में कई बार बड़े आयोजनों तक की तैयारी आखिरी वक्त तक चलती रहती है। अगर राष्ट्रपति के दौरे से जुड़े सारे इंतजाम पहले ही पूरे होते, तो शायद यह विवाद खड़ा ही नहीं होता।

देश में विकास की परिभाषा अब भी बड़े ढांचों के इर्द-गिर्द घूमती है। सड़कें, पुल, उद्योग और निवेश के आंकड़े प्रगति के पैमाने माने जाते हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो इस प्रचलित समझ से अलग और नई संभावनाओं की राह दिखाता है। हाल ही में केरल देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने किसी जीवाणु को आधिकारिक रूप से 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित किया है। एक ऐसा सुक्ष्म जीव, जिसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता है, वह अब राज्य की पहचान का हिस्सा बन गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा भर नहीं है, बल्कि इसे विज्ञान को नीति और समाज के बीच सेतु बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

नंगी आंखों से अदृश्य लेकिन विकास का नया नायक, केरल ने जीवाणु को बनाया 'राज्य सूक्ष्मजीव'

(मणिमाला शर्मा)

कुछ जीवाणु मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिर करते हैं, कुछ पौधों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और कुछ रोगों से लड़ने में मदद करते हैं।

देश में विकास की परिभाषा अब भी बड़े ढांचों के इर्द-गिर्द घूमती है। सड़कें, पुल, उद्योग और निवेश के आंकड़े प्रगति के पैमाने माने जाते हैं। ऐसे समय में केरल ने एक ऐसा कदम उठाया है, जो इस प्रचलित समझ से अलग और नई संभावनाओं की राह दिखाता है। हाल ही में केरल देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने किसी जीवाणु को आधिकारिक रूप से 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित किया है। एक ऐसा सुक्ष्म जीव, जिसे नंगी आंखों से नहीं देखा जा सकता है, वह अब राज्य की पहचान का हिस्सा बन गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा भर नहीं है, बल्कि इसे विज्ञान को नीति और समाज के बीच सेतु बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

इसमें दोराय नहीं कि भारतीय समाज में 'जीवाणु' शब्द आज भी लोगों के भीतर डर पैदा करता है। स्वच्छता अभियानों और स्वास्थ्य चेतावनियों ने इसे बीमारी फैलाने वाले तत्त्व के रूप में स्थापित कर दिया है। नतीजा यह हुआ कि सूक्ष्म जीवों की पूरी दुनिया हमारे लिए संदेह, भय और घृणा का सूचक बन गई। जबकि सच्चाई इससे कहीं अलग है। विकासवाद के सिद्धांत पर गौर करें, तो धरती पर जीवन की शुरुआत ही सूक्ष्मजीवों से हुई।

मिट्टी की उर्वरता, पौधों का पोषण, जल शुद्धिकरण, मानव पाचन तंत्र और प्रतिरक्षा प्रणाली, सब कहीं न कहीं जीवाणुओं पर निर्भर हैं। सभी तरह के जीवाणु समस्या पैदा नहीं करते, बल्कि समस्या हमारी अधूरी और एकांगी समझ है। केरल सरकार का यह कदम इसी मानसिकता को बदलने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। यह सूक्ष्म जीवों को समाज में व्याप्त भय के दायरे से बाहर निकालकर समझ के दायरे में लाने की कोशिश है।

दरअसल, केरल सरकार ने आधिकारिक तौर पर 'बैसिलस सबटिलिस' नामक जीवाणु को 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित किया है। यह छड़ के आकार का एक लाभकारी जीवाणु है, जो मिट्टी में पाया जाता है और कृषि तथा जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्यों की ओर से समय-समय पर राज्य का पशु, पक्षी या वृक्ष घोषित किया जाता है, जो केवल सांस्कृतिक औपचारिकता मात्र नहीं होता है, बल्कि इसके जरिए समाज को यह बताया जाता है कि प्रकृति तथा पारिस्थितिकी तंत्र के किन

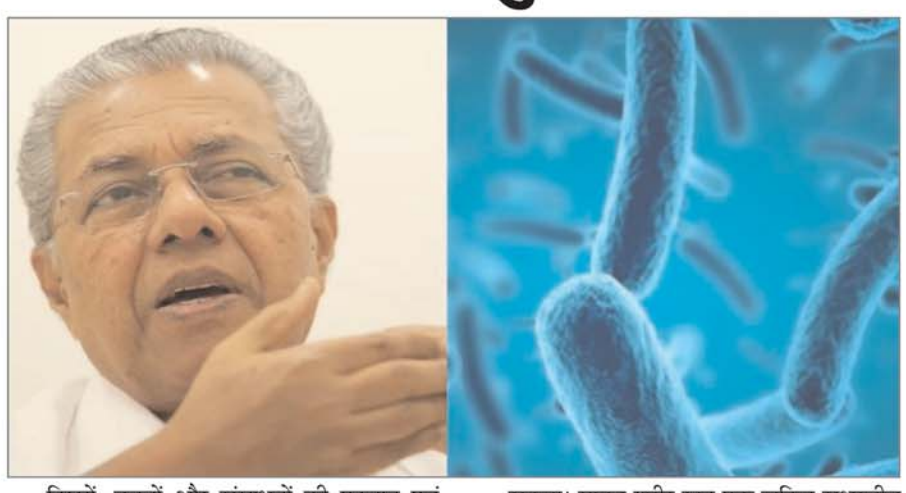

हिस्सों, तत्त्वों और संसाधनों की पहचान एवं संरक्षण जरूरी है। ये प्रतीक शिक्षा और चेतना के माध्यम बनते हैं। केरल में 'राज्य सूक्ष्मजीव' की अवधारणा इसी परंपरा का विस्तार है। फर्क बस इतना है कि यह प्रतीक नंगी आंखों से दिखाई नहीं देता। यह कदम बताता है कि अब संरक्षण और सम्मान की परिभाषा को केवल दृश्य जगत तक सीमित नहीं रखा जा सकता। यह विज्ञान को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाने का प्रयास है।

इसी तरह देखा जाए, तो देश की खेती लंबे समय से रासायनिक खादों और कीटनाशकों पर निर्भर होती जा रही है। शुरुआत में उत्पादन बढ़ा, लेकिन धीरे-धीरे मिट्टी की सेहत बिगड़ती चली गई। लागत बढ़ी, उपज की गुणवत्ता घटी और किसान आर्थिक दबाव में फंसता गया। ऐसे में लाभकारी जीवाणु आधारित खेती एक वैकल्पिक रास्ता दिखाती है। कुछ जीवाणु मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिर करते हैं, कुछ पौधों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं और कुछ रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। यदि केरल इस पहल के जरिए ऐसे सूक्ष्म जीवों की पहचान को बढ़ावा देता है, तो यह खेती को रसायन-निर्भरता से बाहर निकालने की दिशा में ठोस कदम हो सकता है। केरल का यह कदम कृषि को प्रकृति और विज्ञान के साझा रास्ते पर वापस लाने की संभावना पैदा करता है।

आधुनिक चिकित्सा अब यह मानने लगी है कि शरीर को केवल दवाओं से स्वस्थ नहीं रखा जा सकता। मानव शरीर खुद एक जटिल सूक्ष्मजीव तंत्र है। पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य में भी जीवाणुओं की भूमिका पर लगातार शोध हो रहे हैं। केरल, जो पहले ही सार्वजनिक स्वास्थ्य माडल के लिए जाना जाता है, वह इस पहल के जरिए स्वास्थ्य को अस्पताल और दवा-केंद्रित सोच से आगे ले जाने का संकेत देता है। यह पहल त्वरित नतीजे नहीं दे सकती, लेकिन लंबे समय में समाज को अधिक संतुलित और आत्मनिर्भर बना सकती है।

प्रदूषण, कचरा और जल संकट आज विकास की सबसे बड़ी कीमत बन चुके हैं। इनके समाधान अक्सर महंगे और तकनीक-निर्भर होते हैं। लेकिन प्रकृति के भीतर ही कुछ ऐसे सूक्ष्म समाधान मौजूद हैं, जिन पर हम ध्यान कम ही देते हैं। कुछ जीवाणु गंदे पानी को साफ करने, जैविक कचरे को विघटित करने और प्रदूषकों को निष्क्रिय करने में सक्षम होते हैं। केरल जैसे राज्य में, जहां जल संसाधन और जैव विविधता दोनों अहम हैं, ऐसे समाधान पर्यावरण नीति का हिस्सा बन सकते हैं। यह पहल पर्यावरण संरक्षण को नारे से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर लाने की संभावना से भरी है।

मगर यहां एक सवाल यह भी उठ रहा है कि कहीं यह पहल केवल कागजों पर प्रतीक बनकर न रह जाए, क्योंकि भारत में प्रतीकों की कमी नहीं है, लेकिन उन्हें जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है। यदि 'राज्य सूक्ष्मजीव' की घोषणा भी केवल अधिसूचना और समारोह तक सीमित रह गई, तो यह हमारे लिए अवसर चूकने जैसा होगा। इस पहल की असली परीक्षा तब होगी, जब इसे शिक्षा, शोध और नीति से जोड़ा जाएगा। स्कूलों के पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालयों के शोध और किसानों एवं पर्यावरण से संबंधित योजनाओं में इसका उपयोग तय करेगा कि यह प्रयोग कितना असरदार साबित हो सकता है।

आत्मनिर्भर भारत की चर्चा अक्सर उद्योग और तकनीक तक सीमित रह जाती है। मगर असली आत्मनिर्भरता तब आएगी, जब भोजन, स्वास्थ्य और तकनीक जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए देश की बाहरी निर्भरता घटेगी। ऐसे में लाभकारी जीवाणु आधारित समाधान सस्ते, स्थानीय और टिकाऊ हो सकते हैं। केरल का यह कदम आत्मनिर्भरता की उसी जैविक व्याख्या की ओर इशारा करता है, जिसमें ज्ञान और प्रकृति सबसे बड़े संसाधन हैं।

हो सकता है कि आम नागरिक के लिए इसका असर तुरंत महसूस न हो, लेकिन लंबे समय में इसके परिणाम आम जीवन से जुड़ने की पूरी संभावना है। इस योजना का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना होना चाहिए कि बेहतर मिट्टी, सुरक्षित भोजन, स्वच्छ जल और संतुलित स्वास्थ्य के साथ-साथ एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जो विज्ञान से डरता नहीं, बल्कि उसे समझने की कोशिश करता है। इस तरह यह पहल नई पीढ़ी को सिखा सकती है कि जीवन केवल दिखाई देने वाली चीजों से ही नहीं चलता, बल्कि उन सूक्ष्म तंत्रों से भी चलता है, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

केरल सरकार की ओर से एक जीवाणु को 'राज्य सूक्ष्मजीव' घोषित करने का फैसला आज नया लग सकता है, लेकिन यह भविष्य के लिए नई संभावनाओं को बल देता है। यह याद दिलाता है कि कभी-कभी सबसे बड़े बदलाव वहीं से शुरू होते हैं, जहां हमारी नजर कम जाती है। अगर यह पहल गंभीरता से आगे बढ़ती है, तो देश में वैज्ञानिक चेतना और पर्यावरणीय समझ के विस्तार का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

अपने भीतर लौटने की कला

(सुंदरचंद ठाकुर)

मनुष्य के जीवन में अशांति का सबसे बड़ा कारण यह है कि वह हमेशा बाहर भटकता रहता है। वह सुख को परिस्थितियों में खोजता है, लोगों की स्वीकृति में खोजता है, सफलता और उपलब्धियों में खोजता है। लेकिन जितना अधिक वह बाहर भागता है, उतना ही भीतर का खालीपन बढ़ता जाता है। कारण सरल है। जिस शांति की खोज हम कर रहे होते हैं, उसका स्रोत बाहर नहीं, हमारे अपने अस्तित्व में ही छिपा होता है। हमारे भीतर एक ऐसा स्थान है जो हमेशा शांत है, हमेशा स्थिर है। जीवन की कितनी भी हलचल क्यों न हो, वह भीतर का केंद्र कभी विचलित नहीं होता। वेदांत उसी को हमारा वास्तविक स्वरूप कहता है। वही हमारा होना है, वही हमारी चेतना है। दुख, चिंता और भय मन की अवस्थाएं हैं, पर चेतना इन सबकी साक्षी है। जैसे आकाश में बादल आते जाते रहते हैं, पर आकाश स्वयं कभी प्रभावित नहीं होता। वैसे ही हमारे भीतर का अस्तित्व जीवन की हर घटना को देखता है, पर स्वयं बदलता नहीं। समस्या यह है कि हम अपने मन और विचारों से इतना जुड़ जाते हैं कि अपने असली स्वरूप को भूल जाते हैं। कोई नकारात्मक विचार आया और हम मान बैठे कि वही हमारी सच्चाई है। कोई परिस्थिति कठिन हुई और हमने मान लिया कि जीवन ही बोझ बन गया है। जबकि सच्चाई यह है कि मन के ऊपर चाहे कितने ही घने बादल क्यों न छा जाएं, उनके पीछे नीला आकाश हमेशा मौजूद रहता है। बस हमें उस आकाश की ओर देखना सीखना होता है।

अपने वास्तविक अस्तित्व को पहचानने का रास्ता बहुत कठिन नहीं है। सदियों से हमारे ऋषियों ने इस दिशा की ओर अपने-अपने ढंग से इशारे किए हैं। इस दिशा में बढ़ने का पहला कदम है ज्ञान। जब हम वेदों, उपनिषदों और महान संतों की वाणी पढ़ते हैं, तो धीरे धीरे यह समझ बनने लगती है कि हम केवल शरीर या विचार नहीं हैं। यह समझ हमारे भीतर एक नई दृष्टि जगाती है।

दूसरा रास्ता है ध्यान। जब हम प्रतिदिन कुछ समय शांत बैठते हैं और अपने भीतर की हलचल को देखते हैं, तब एक नई दूरी बनती है। धीरे धीरे हम अनुभव करने लगते हैं कि विचार आते हैं और चले जाते हैं, भावनाएं उठती हैं और शांत हो जाती हैं, पर जो देख रहा है वह स्थिर रहता है। यही अनुभव हमें अपने असली स्वरूप के करीब ले जाता है।

तीसरा मार्ग है सात्विक जीवन। जब हमारा भोजन, हमारा व्यवहार और हमारी दिनचर्या संतुलित और सरल होती है, तब मन भी धीरे धीरे शांत होने लगता है। एक शांत मन ही अपने भीतर की गहराई को पहचान सकता है। अशांत मन हमेशा बाहर भटकता रहता है। और जब एक बार मनुष्य अपने उस वास्तविक अस्तित्व की झलक पा लेता है, तब जीवन बदलने लगता है। वह अनुभव ऐसा होता है जैसे किसी ने अमृत का स्वाद चखा हो। उस शांति और आनंद के बाद संसार की छोटी छोटी उपलब्धियां भी अपना आकर्षण खोने लगती हैं। तब मनुष्य बाहर की चीजों का उपयोग तो करता है, पर उनका दास नहीं बनता। शायद जीवन की सबसे बड़ी खोज यही है कि हम उस स्रोत को पहचान लें जो हमेशा हमारे भीतर मौजूद है। जब भी जीवन भारी लगे, जब भी मन उलझ जाए, बस एक क्षण ठहर कर अपने भीतर लौटना याद रखें। क्योंकि वहीं वह शांति है जिसकी तलाश में हम पूरी दुनिया में भटकते रहते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

एआई की दौड़ में कौन जीतेगा शक्ति की बाजी, बदलती वैश्विक ताकत का नया समीकरण

इन सभी आयामों का मूल तत्त्व है डेटा और उसे संसाधित करने की क्षमता। कृत्रिम मेधा को अब केवल साफ्टवेयर के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह ऊर्जा, तेल या सेमीकंडक्टर की तरह एक रणनीतिक संसाधन का रूप ले चुकी है। जिस इकाई के पास उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना, विशाल डेटा भंडार और उन्नत 'एल्गोरिद्म' क्षमता है, वह आर्थिक और सामरिक निर्णयों पर प्रभाव डाल सकती है। इस बदलते परिदृश्य में शक्ति का पारंपरिक संतुलन केवल सैन्य या भौगोलिक कारकों से निर्धारित नहीं होगा, बल्कि तकनीकी दक्षता और डिजिटल अवसंरचना भी उसकी दिशा तय करेगी।

(धीरज यादव)

चौथी औद्योगिक क्रांति के इस दौर में कृत्रिम मेधा (एआइ) केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्पादन, शासन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की केंद्रीय शक्ति बनती जा रही है। स्वचालन, मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण पर आधारित प्रणालियां विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्र तक उत्पादकता की प्रकृति बदल रही हैं। सैन्य क्षेत्र में स्वायत्त प्रणालियां, खुफिया विश्लेषण और निगरानी तकनीक रणनीतिक क्षमता को प्रभावित कर रही हैं। साइबर सुरक्षा में हमलों की पहचान और रोकथाम के लिए एआइ आधारित तंत्र अनिवार्य होते जा रहे हैं।

इन सभी आयामों का मूल तत्त्व है डेटा और उसे संसाधित करने की क्षमता। कृत्रिम मेधा को अब केवल साफ्टवेयर के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह ऊर्जा, तेल या सेमीकंडक्टर की तरह एक रणनीतिक संसाधन का रूप ले चुकी है। जिस इकाई के पास उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना, विशाल डेटा भंडार और उन्नत 'एल्गोरिद्म' क्षमता है, वह आर्थिक और सामरिक निर्णयों पर प्रभाव डाल सकती है। इस बदलते परिदृश्य में शक्ति का पारंपरिक संतुलन केवल सैन्य या भौगोलिक कारकों से निर्धारित नहीं होगा, बल्कि तकनीकी दक्षता और डिजिटल अवसंरचना भी उसकी दिशा तय करेगी।

अब कृत्रिम मेधा का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। विनिर्माण, साजो-सामान, स्वास्थ्य और वित्त जैसे क्षेत्रों में एआइ आधारित स्वचालन तथा विश्लेषण से उत्पादकता में वृद्धि दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की रपटें यह बताती हैं कि डेटा विश्लेषण एवं मशीन 'लर्निंग' से निर्णय प्रक्रिया तेज होती है और संसाधनों का उपयोग अधिक कुशल बनता है। इससे पूंजी निर्माण की प्रकृति भी बदल रही है। पारंपरिक भौतिक संपत्तियों की तुलना में अब डेटा, एल्गोरिद्म और कंप्यूटिंग

क्षमता नई पूंजी के रूप में उभर रहे हैं।

इस परिवर्तन का एक महत्त्वपूर्ण आयाम सेमीकंडक्टर उद्योग और 'क्लाउड' अवसंरचना है। उन्नत चिप निर्माण और उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर एआइ विकास की आधारशिला हैं। जिन देशों और कंपनियों के पास अत्याधुनिक चिप डिजाइन, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक क्लाउड नेटवर्क हैं, वे तकनीकी मूल्य शृंखला के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण बनाए रखते हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था में कुछ बड़े वैश्विक मंचों का केंद्रीकरण यह दर्शाता है कि डेटा और नेटवर्क प्रभाव से बाजार संरचना सिमट सकती है।

जाहिर है, जिनके पास उन्नत एआइ माडल, व्यापक डेटा संसाधन और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना है, वही वैश्विक मूल्य शृंखला के निर्णायक बिंदुओं पर प्रभाव रखते हैं। इससे आर्थिक शक्ति की पारंपरिक परिभाषा का विस्तार हुआ है, जिसमें तकनीकी क्षमता और डिजिटल नियंत्रण केंद्रीय तत्त्व बनते जा रहे हैं। इस आर्थिक संरचना ने तकनीकी कंपनियों की भूमिका को भी असाधारण रूप से विस्तारित किया है।

एआइ के विकास ने बड़ी तकनीकी कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली भूमिका प्रदान की है। उनके मंच, क्लाउड नेटवर्क और उन्नत एआइ माडल करोड़ों उपयोगकर्ताओं, वित्तीय लेन-देन और सूचना प्रवाह को संचालित करते हैं। इस कारण उनकी नीतियां और तकनीकी निर्णय अनेक देशों की अर्थव्यवस्था, मीडिया संरचना और यहां तक कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित कर सकते हैं। मगर यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि ये कंपनियां पूर्णत: स्वायत्त इकाइयां नहीं हैं। वे राष्ट्रीय कानूनों, डेटा संरक्षण नियमों, प्रतिस्पर्धा आयोगों और निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं से बंधी रहती हैं।

अमेरिका और चीन के बीच चल रही तकनीकी प्रतिस्पर्धा इसका स्पष्ट उदाहरण है। उन्नत एआइ चिप और सेमीकंडक्टर उपकरणों के निर्यात पर लगाए गए नियंत्रण यह दर्शाते हैं कि अंतिम नियामक शक्ति अभी भी राष्ट्र-राज्य के पास है। इसी प्रकार यूरोप में डिजिटल बाजार कानून और डेटा संरक्षण विनियम तकनीकी कंपनियों के संचालन पर प्रभाव डालते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि निगमित शक्ति और राज्य शक्ति के बीच सीधा प्रतिस्थापन नहीं, बल्कि एक जटिल अंतर-संबंध विकसित हो रहा है।

वर्तमान परिदृश्य में यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि निगमित और राज्य के बीच शक्ति संतुलन का नया समीकरण बन रहा है। तकनीकी नवाचार और पूंजी निगमित संरचनाओं में केंद्रित हैं, जबकि वैधानिक अधिकार और सामरिक नीति निर्माण राष्ट्र या राज्य के हाथ में है। भविष्य की कृत्रिम मेधा इसी अंतर्क्रिया से आकार ले सकती है, जहां तकनीकी क्षमता और राजनीतिक संप्रभुता एक-दूसरे को प्रभावित करती रहेंगी।

एआइ का सैन्य और रणनीतिक आयाम इस विमर्श को और गंभीर बनाता है। अनेक देश स्वायत्त या अर्ध स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर शोध कर रहे हैं, जिनमें लक्ष्य पहचानने, निगरानी और निर्णय में सहायता के लिए मशीन लर्निंग आधारित प्रणालियां प्रयोग में लाई जा रही हैं। रक्षा विश्लेषण और खुफिया जांच में एआइ आधारित डेटा प्रोसेसिंग से विशाल सूचना का त्वरित आकलन संभव हुआ है। इससे युद्ध क्षेत्र की समझ और प्रतिक्रिया समय, दोनों प्रभावित होते हैं।

जटिल साइबर हमलों की पहचान, नेटवर्क असमानताओं का विश्लेषण और स्वचालित रक्षा तंत्र अब एल्गोरिद्मिक प्रणालियों पर आधारित हैं। दूसरी ओर, आक्रामक साइबर क्षमताओं में भी स्वचालित उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है, जिससे डिजिटल अवसंरचना रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गई है।

इसके साथ ही निगरानी प्रणालियों और डेटा विश्लेषण के माध्यम से राज्य अपनी आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक गतिविधियों पर अधिक व्यापक नियंत्रण स्थापित कर सकते हैं। चेहरा पहचान तकनीक, व्यवहार विश्लेषण और संचार निगरानी जैसी व्यवस्थाएं सार्वजनिक नीति और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन का प्रश्न उठाती हैं। इस प्रकार कृत्रिम मेधा केवल आर्थिक शक्ति का साधन नहीं, बल्कि सैन्य और सामरिक संरचना का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, जो वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत की स्थिति विशिष्ट है। पिछले एक दशक में देश ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का एक ऐसा माडल विकसित किया है, जिस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित हुआ है। आधार, यूपीआइ और डिजिटल पहचान तंत्र ने सेवा वितरण, वित्तीय समावेशन और पारदर्शिता में संरचनात्मक बदलाव किया है।

यह ढांचा एआइ अनुप्रयोगों के लिए एक आधार प्रदान करता है, क्योंकि बड़े पैमाने पर डिजिटल लेन-देन और डेटा प्रवाह नवाचार की संभावनाएं खोलते हैं। इसके साथ ही डेटा संप्रभुता का प्रश्न गंभीर होता जा रहा है। यदि भारतीय नागरिकों और संस्थानों से उत्पन्न डेटा का विश्लेषण और मूल्य सृजन किसी विदेशी मंच पर केंद्रित रहता है, तो आर्थिक लाभ और रणनीतिक नियंत्रण दोनों सीमित हो सकते हैं। इसलिए यह बहस केवल गोपनीयता की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक हित से भी जुड़ी हुई है।

समकालीन विश्व व्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां शक्ति की परिभाषा विस्तार ले रही है। पारंपरिक रूप से सैन्य क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव को शक्ति का प्रमुख आधार माना जाता रहा है, मगर अब डेटा, एल्गोरिद्म और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग अवसंरचना भी उसी श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे एआइ को केवल बाजार शक्ति या सीमित निगमित हित का साधन बनने से कैसे रोकें।

पारदर्शिता, नियमन, प्रतिस्पर्धा नीति और सार्वजनिक निवेश के माध्यम से एआइ को व्यापक सामाजिक हित में रूपांतरित किया जा सकता है। यदि ऐसा संतुलन स्थापित होता है, तो तकनीकी प्रगति लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकती है। अन्यथा शक्ति का केंद्रीकरण नई असमानताओं को जन्म दे सकता है।

बड़े गुंडेम में डीआरजी, जिला पुलिस और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल ने मिलकर खोला नया कैंप

दुर्गम इलाके में सुरक्षा बलों की बड़ी पहल, नक्सल उन्मूलन के साथ विकास को भी मिलेगी गति

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। थाना फरसेगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दुर्गम एवं पहुंचविहीन ग्राम बड़े गुंडेम में 12 मार्च को नवीन सुरक्षा एवं जन-सुविधा कैंप स्थापित किया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह कैंप डीआरजी, जिला बल और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 12वीं वाहिनी 'डी' कंपनी की संयुक्त टीमों द्वारा स्थापित किया गया है। घने जंगल और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने साहस और दृढ़ संकल्प के साथ इस कैंप की स्थापना की। वर्ष 2024 से अब तक बीजापुर जिले में कुल 37 नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ क्षेत्रीय विकास को भी गति मिल रही है। बड़े गुंडेम में कैंप बनने से भोपालपटनम से फरसेगढ़ क्षेत्र के बीच संपर्क बेहतर होगा और नेशनल पार्क क्षेत्र के दूरस्थ गांवों को सड़क व अन्य आधारभूत सुविधाओं से जोड़ने का मार्ग भी आसान होगा। कैंप स्थापित होने से स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), मोबाइल नेटवर्क, सड़क और पुल-पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाएं मिलने में मदद मिलेगी। साथ ही माओवादी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में भी सहायता मिलेगी। पुलिस के अनुसार वर्ष 2024 से अब तक 955 माओवादी पुनर्वासित, 234 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए और 1184 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में की गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रविन्द्र कुमार मीणा, उप पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ सिंह चौहान, अमन लखीसरानी तथा फरसेगढ़ के अनुविभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ शासन की 'नियद नेल्ला नार' योजना के तहत 12 मार्च 2026 को ग्राम बड़े गुंडेम में यह नया सुरक्षा कैंप स्थापित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के आशीर्वाद से लंबे समय से जिले में बिना रजिस्ट्रेशन और डिग्री के चल रहे क्लिनिक , मरीजों के हेल्थ से हो रहा खिलवाड़, आखिर कब गिरेगी कार्यवाही की गाज

रायगढ़/मूक पत्रिका

झोला छाप डॉक्टर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। गांव गांव में क्लीनिक खोलकर गंभीर बीमारियों का इलाज करने में लगे हुए है। वहीं स्वास्थ्य विभाग जान कर भी अन

जान बना हुआ है। यही वजह है कि जिले में अवैध तरीके से संचालित क्लीनिकों की बाढ़ सी गई है। जिले के सभी ब्लाकों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शासन ने स्थापित किए हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का इलाज करने के लिए उपलब्ध है साथ ही निः शुल्क दवा की भी व्यवस्था है। मगर जिला प्रशासन के अस्पतालों में लोग इलाज कराने की बजाय झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करा रहे हैं। मौसमी बीमारी की शिकायत अभी बढ़ गई है। डिग्री लेने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों के यहां जितनी भीड़ नहीं होती है उससे कहीं ज्यादा झोलाछाप डॉक्टरों के यहां लाइन देखने को मिल रही है। खास कर ग्रामीण इलाकों में लोगों अज्ञानता की वजह से इनसे इलाज करवाने में लगे है।

रजिस्ट्रेशन और डिग्री के दस्तावेजों का सत्यापन कराने स्वास्थ्य महकमा बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इससे मरीजों की जान भी जा सकती है। यही नहीं, झोलाछाप डॉक्टर अपने क्लीनिक पर आने वाले मरीजों का एक बार जब इलाज शुरू करते हैं तो दूसरे क्लीनिक में जाने भी नहीं देते। बार बार इलाज करने से ठीक नहीं होने के बाद भी मरीज अपनी जान के साथ खिलवाड़ करते रहते हैं और इन्हीं के भरोसे रहते हैं।मलेरिया, ब्लड शुगर, टायफायड, प्रेगनेंसी और ब्लड प्रेशर की जांच करने में भी झोलाछाप डॉक्टर पीछे नहीं रहते। जबकि इनके पास इन बीमारियों की इलाज के लिए संसाधन भी उपलब्ध नहीं रहता। साथ ही ये बीमारियां बहुत ही खतरनाक होते हैं। जरा सी लापरवाही मरीज का जान छीन सकती है। बावजूद मरीज झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जाता है। रायगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले कई ग्राम पंचायत तिलगा दीपक बंगाली, डॉ.बंजारे तिलगा, भागोरा चंद्रजीत भोय , जुनवानी मालाकार, रोहित मालिक , टारपाली कोरियादादर बंगाली जामगाँव डॉ दास , कोतरलिया डॉ बंगाली, मनुवापाली माँ क्लिनिक, अड़बहाल डी. सी. मालाकार झोलछाप के इलाज से पूर्व मे एक महिला की मौत हो गई थी व कई ग्राम पंचायत जहा झोलाछाप डॉ. अवैध रूप कई सालो से क्लिनिक का संचालन कर रहे है।

मजबूरी में झोलाछाप डॉ.से करा रहे इलाज- सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की भारी कमी है। पीड़ितों को अस्पताल पहुंचने के बाद भी इलाज नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में लोग मजबूरी में झोलाछाप डॉ. के चंगुल में फंसकर जान जोखिम में डाल रहे हैं। बिना डिग्री-डिप्लोमा गलत इलाज करने से जिले में कई लोगों की जान भी जा चुकी है। जबकि कई लोग निजी क्लीनिक चला रहे हैं। इन पर कार्रवाई नहीं होना विभाग पर सवाल खड़े कर रही है।

विभाग नहीं कर रहा है कोई कार्रवाई- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बैठक में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्णय लिए जाते हैं तथा बैठक में विभाग के अलग अलग शाखा के अधिकारियों की टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम देने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। बैठक में मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले तथा निवारक दवाओं की पुड़िया थमाने वाले फर्जी डॉक्टरों पर अंकुश लगाने के लिए विभाग द्वारा टीम गठित किया गया था। लेकिन हाल ही में यह टीम क्षेत्र में नाकारा साबित हो रही है। यह झोलाछाप चिकित्सक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी दवाओं के साथ प्रेक्टिस करने वाले डॉक्टर की डिग्री दवाइयां का रजिस्ट्रेशन लेकर धड़ल्ले से काम रहे हैं। वहीं चिकित्सा विभाग द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बाकी की खबर अगले अंक मे.....

इंद्रावती नदी में पोकलेन से अवैध रेत उत्खनन का आरोप, रातों-रात हाईवा से वरदली में भंडारण

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने खनिज विभाग व स्थानीय नेताओं पर संरक्षण का लगाया आरोप, रेत जब्त कर ठेकेदार पर आपराधिक कार्रवाई की मांग

भोपालपटनम/बीजापुर। /मूक पत्रिका

जनपद पंचायत भोपालपटनम क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत लिंगापुर से होकर बहने वाली इंद्रावती नदी में पोकलेन मशीन लगाकर अवैध रेत उत्खनन किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि रात के अंधेरे में रेत निकालकर हाईवा वाहनों के माध्यम से ग्राम पंचायत मुख्यालय वरदली में उसका भंडारण किया गया।इस मामले को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आरोप लगाया कि खनिज विभाग और स्थानीय भाजपा नेताओं के संरक्षण में यह अवैध उत्खनन किया जा रहा है और इसे रोकने में प्रदेश की सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है।ताटी के अनुसार एक सड़क निर्माण से जुड़े ठेकेदार ने ग्राम पंचायत सरपंच की अनुमति के बिना ही रात के समय इंद्रावती नदी में पोकलेन मशीन लगाकर बड़े पैमाने पर रेत निकाली। उन्होंने कहा कि पहले नदी के तट को खोदकर मशीनों के लिए रास्ता बनाया गया, इसके बाद रातों-रात हाईवा वाहनों से रेत निकालकर वरदली में जमा किया गया।पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की दबंगई इतनी अधिक है कि उसे प्रशासनिक कार्रवाई का कोई भय नहीं है। भारी मशीनों से नदी तट की खुदाई कर रेत निकाले जाने से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है।ताटी ने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत मुख्यालय वरदली में अवैध रूप से भंडारित रेत को तत्काल जब्त किया जाए। साथ ही इस पूरे मामले की जांच कर दोषी ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए और अवैध उत्खनन में प्रयुक्त पोकलेन मशीन तथा रेत परिवहन में लगे हाईवा वाहनों को भी राजसात किया जाए।

राजस्व ग्राम बनने से ग्रामीणों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

आदवाड़ा में सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के असर्वेक्षित ग्राम आदवाड़ा में चल रहे राजस्व सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण करने अधीक्षक भू-अभिलेख वीरेंद्र श्रीवास्तव पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व अमले द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण कार्य की जानकारी ली और प्रक्रिया का अवलोकन किया।जानकारी के अनुसार ग्राम आदवाड़ा पहले असर्वेक्षित ग्राम था। राज्य शासन द्वारा इसे राजस्व ग्राम घोषित किए जाने के बाद अब यहां पूर्ण सर्वेक्षण कराया जा रहा है। सर्वेक्षण पूरा होने के बाद ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ व्यवस्थित रूप से मिल सकेगा।ग्राम में राजस्व निरीक्षक और पटवारी की देखरेख में सर्वेक्षण कार्य जारी है। आईटीआई रुड़की के माध्यम से उपलब्ध कराए गए नवीन नक्शों के आधार पर गांव का आंतरिक सर्वेक्षण कर नक्शों का सत्यापन किया जा रहा है।इसी दौरान गांव की प्राथमिक शाला में कक्षा 5वीं के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अधीक्षक भू-अभिलेख वीरेंद्र श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया और स्कूल बैग वितरित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधान पाठक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

घरघोड़ा न्यायालय में लोक अदालत सफलतापूर्व सम्पन्न

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

राज्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित लोक अदालत का आयोजन जिला सत्र न्यायालय घरघोड़ा में सफलता पूर्वक संपन्न है। लोक अदालत पीठासीन अधिकारी अभिषेक शर्मा के न्यायालय में 3 मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण का प्रकरण का निपटारा राजीनामा के आधार पर किया गया।

व्यवहार न्यायालय से कुल 8 प्रकरण और जिला एवं सत्र न्यायालय घरघोडा में 3 क्लेम प्रकरण एवं 1 कुटुंब न्यायालय से संबंधित प्रकरण और 136351 प्री लिटिगेशन प्रकरण का निपटारा कर 3247200 रूपये का सैटल किया गया। राजीनामा करने वाले पक्षकारों को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने पेड़ भेट कर पर्यावरण रक्षा का संदेश दिए।

छात्र ने शिक्षिका पर धर्म का अपमान करने का लगाया आरोप, शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

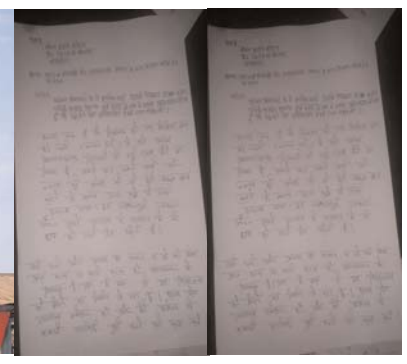

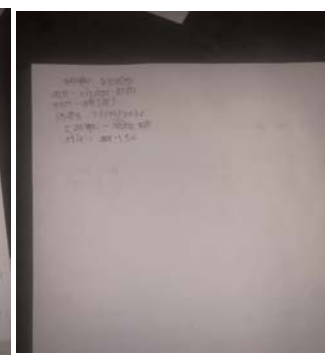

विकासखंड धरमजयगढ़ के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाकारुमा में पढ़ाई के दौरान की गई कथित टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कक्षा 9वीं के एक छात्र ने विद्यालय की शिक्षिका पर उसके धर्म और धार्मिक परंपराओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है, जिससे छात्र और उसके परिजन आहत बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 9वीं 'बी' के छात्र योगेश शर्मा ने बताया कि 23 फरवरी को विद्यालय में नियमित कक्षाएं संचालित हो रही थीं। इसी दौरान हिंदी विषय की शिक्षिका सोसेन तिर्की कक्षा में पढ़ा रही थीं। छात्र का आरोप है कि उसके माथे पर लगे तिलक को देखकर शिक्षिका ने ब्राह्मण समाज और धार्मिक परंपराओं को लेकर टिप्पणी की। छात्र के मुताबिक शिक्षिका ने कहा कि ÷तुम ब्राह्मण लोग माथे पर बड़ा तिलक और पूजा-पाठ केवल दक्षिणा के लिए करते हो, तुम्हारा ब्राह्मण समाज और धर्म ढोंग करता है।÷ छात्र का कहना है कि इस तरह की बातों से उसे गहरी ठेस पहुंची। उसने कक्षा में विनम्रता से अपनी बात रखने की कोशिश भी की, लेकिन उसके अनुसार शिक्षिका ने अपनी बात दोहराई।घटना से आहत छात्र ने इसे अपने धर्म का अपमान बताते हुए विद्यालय के प्राचार्य को लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई। छात्र का आरोप है कि विद्यालय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर उसने पूरी घटना की जानकारी अपने परिजनों और शिक्षा अधिकारियों को फोन के माध्यम से दी।मामले की जानकारी मिलने पर छात्र के पिता विद्यालय पहुंचे और शिक्षिका से चर्चा की। पिता का आरोप है कि शिक्षिका ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय ऐसी टिप्पणी करने से ही इनकार कर दिया और इसे छात्र की गलतफहमी बताया। हालांकि कक्षा में मौजूद कुछ अन्य छात्रों ने भी कथित घटनाक्रम की पुष्टि की है।परिजनों का यह भी आरोप है कि बाद में समझौते के नाम पर एक सहमति पत्र तैयार कर उनसे हस्ताक्षर करा लिए गए। छात्र के पिता का कहना है कि वे अधिक पढ़े-लिखे नहीं हैं और स्वास्थ्य की स्थिति भी ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें उस कागज की पूरी जानकारी नहीं थी। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। परिजनों ने यह सवाल भी उठाया है कि यदि छात्र का आरोप गलत था तो फिर समझौता पत्र पर हस्ताक्षर क्यों कराए गए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब छात्र ने प्राचार्य को लिखित और मौखिक रूप से शिकायत दी थी तो उस पर तत्काल ध्यान क्यों नहीं दिया गया। छात्र का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी धरमजयगढ़ को भी फोन के माध्यम से दी जा चुकी है। फिलहाल मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और छात्र के परिजनों में नाराजगी बनी हुई है।परिजनों का कहना है कि उनके समाज और सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी से वे आहत हैं। उन्होंने प्रशासन से मामले में संज्ञान लेकर न्याय दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं होती है तो वे जिला प्रशासन तक जाने को बाध्य होंगे। फिलहाल अब यह देखना होगा कि विभाग को दी गई शिकायत के बाद शिक्षा विभाग इस मामले में क्या कदम उठाता है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला का औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के निर्देश दिए

सीपेज की समस्या होने पर कलेक्टर ने छत के ऊपर शेड निर्माण की स्वीकृति दी

कलेक्टर ने सेक्टर सुपरवाइजर की बैठक लेकर संस्थागत प्रसव एवं टीकाकरण को बढ़ाने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बरमकेला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शनिवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां ओपीडी, आईपीडी, एक्सरे, ऑपरेशन थिएटर, लैब स्टोर, डिलीवरी आदि कक्षो का अवलोकन किया और वहां आए मरीज और उनके परिजन से स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में चर्चा किया। आईपीडी में एडमिट मरीजों से चर्चा कर वहां उनका ÷बेहतर इलाज हो रहा है या नहीं, दवाइयां अस्पताल में ही मिलता है या बाहर से खरीदना पड़ता है÷ कलेक्टर ने जानकारी ली। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा उपस्थित थीं। बीएमओ अवधेश पाणिग्राही कलेक्टर को जानकारी दी कि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बार-बार सिपेज होता है और अस्पताल की वायरिंग पुरानी है। कलेक्टर ने सीपेज की समस्या को दूर करने के लिए अस्पताल के छत में शेड निर्माण और अस्पताल में विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए विद्युतीकरण कार्य का स्टीमेट बनाकर तत्काल भेजने के निर्देश दिए इंजीनियर को दिए ताकि ग्रामीण यांत्रिकी विभाग इस कार्य को जल्दी पूरा करे। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सेक्टर सुपरवाइजर की बैठक लेकर सभी सेक्टर में आयुष्मान कार्ड, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण एवं एनसीडी प्रोग्राम को अच्छे से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सरकारी योजनाओं की सुविधाओ का लाभ मरीज को देना हमारा दायित्व है। इस दौरान अस्पताल के सभी डॉक्टर, नर्स, वाहन चालक आदि मरीजों और उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करें।

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से नाराज़गी लोगों में

रायगढ़ इस्पात संयंत्र से उड़ती काली धूल और धुआं क्षेत्र के प्रभावित गांवों में बढ़ता पर्यावरण संकट

रायगढ़ /मूक पत्रिका

औद्योगिक विकास के लिए प्रसिद्ध रायगढ़ जिले का पूंजीपथरा क्षेत्र इन दिनों प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। यहां स्थित रायगढ़ इस्पात उद्योगों से निकलने वाली काली धूल और धुएं ने आसपास के गांवों के लोगों की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्रियों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं और हवा में उड़ती राख उनके स्वास्थ्य, खेती और प्राकृतिक पर्यावरण पर गहरा दुष्प्रभाव डाल रही है। पूंजीपथरा औद्योगिक क्षेत्र के आसपास बसे कई गांव–जैसे कि गेरवानी, सरायपाली और आसपास की बस्तियों–के लोग लंबे समय से इस समस्या को झेल रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार सुबह होते ही घरों की छतों, आंगनों और पेड़ों की पत्तियों पर काले धूल की परत जम जाती है। कई बार तो कपड़े बाहर सुखाने पर भी वे काले पड़ जाते हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि फैक्ट्रियों से निकलने वाली राख और धुआं हवा के साथ दूर-दूर तक फैल जाता है। इससे खेतों की फसलें भी प्रभावित हो रही हैं। धूल की परत के कारण पौधों की पत्तियों पर काली राखड़ की मोटी परत जम रही है। किसानों का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में उत्पादन में गिरावट देखी गई है।

स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर असर पड़ रहा है। गांव के बुजुर्गों और बच्चों में सांस संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कई लोगों को खांसी, आंखों में जलन, त्वचा की एलर्जी और सांस फूलने जैसी शिकायतें हो रही हैं। ग्रामीण बताते हैं कि पहले इस तरह की समस्याएं बहुत कम देखने को मिलती थीं, लेकिन उद्योगों के विस्तार के बाद से स्थिति बिगड़ती जा रही है। गांव की एक महिला ने बताया कि ÷सुबह झाड़ू लगाने के बाद भी कुछ ही घंटों में फिर से काली धूल जमा हो जाती है। बच्चों को बाहर खेलने से रोकना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार उन्होंने इस समस्या को प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग के सामने भी उठाया है। कुछ मौकों पर जांच और कार्रवाई की बात जरूर कही गई, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। लोगों की मांग है कि उद्योगों पर सख्त निगरानी रखी जाए और प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए।

पर्यावरण पर भी इसका असर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। क्षेत्र के जंगलों में पेड़ों की पत्तियों पर धूल की मोटी परत देखी जा सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पेड़ों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। कई जगहों पर हरियाली कम होती दिखाई दे रही है। वन्यजीवों के लिए भी यह स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है।

नियमित मानिटिंग नहीं होने से बढ़ता दुष्प्रभाव

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी फिल्टर सिस्टम, धूल नियंत्रण तकनीक और नियमित मॉनिटरिंग जरूरी है। लेकिन शासन प्रशासन के अधीन जुड़े जिम्मेदार विभाग इस दिशा में महती कार्य नहीं करने तथा नियमित मॉनिटरिंग नहीं होने से उद्योग के संचालक मनमानी तौर पर कार्य कर रहे है यही वजह है कि इसका दुष्प्रभाव आमजन जीवन के साथ पर्यावरण पर भी पड़ रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है।

शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से नाराज़गी लोगों में

देखा जाए तो क्षेत्र में रायगढ़ जिले में कई ऐसे उद्योग है जिनके शिकायत लगातार प्रशासन के विभिन्न जिम्मेदार विभागों तक आ रहे हैं यही हाल रायगढ़ इस्पात का है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ठोस और उचित कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों को इसका दुष्परिणाम पर्यावरण संकट के बीच जद्दोजेहद करना पड़ रहा है। जिसके चलते विभिन्न प्रकार के समस्या उन्हें मजबूरन झेलना पड़ रहा है इससे तरह समस्या का निदान नहीं होने से उनमें काफी नाराजगी भी देखा जा रहा है वे आंदोलन की रणनीति भी बना रहे है।

इन पर सीधा असर

प्रकृति पर दिखने लगा असर पेड़ों की पत्तियों पर काली धूल की परत जंगलों की हरियाली पर पड़ता प्रभाव खेतों की फसल पर धूल जमने से उत्पादन में गिरावट पक्षियों और वन्यजीवों के लिए प्रतिकूल वातावरण

संक्षिप्त समाचार

ईरान को धमकी, कहा- अमेरिकी मांगों को नहीं माना तो नए सुप्रीम लीडर का होगा खात्मा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई

को लेकर बड़ा बयान दिया है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा है कि अगर मुजतबा अमेरिकी मांगों को नहीं मानते, तो वह उनकी हत्या का समर्थन करेंगे। अमेरिका की मांग यह है कि ईरान अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम पूरी तरह बंद कर दे। अगर मुजतबा ने इससे इनकार किया, तो ट्रंप नए लीडर को खत्म करने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस काम को इस्राइली सेना अंजाम दे सकती है। यह ठीक वैसा ही होगा जैसा 28 फरवरी को मुजतबा के पिता अली खामेनेई के साथ हुआ था। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि वह ईरान के इस चुनाव से बिल्कुल खुश नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मुजतबा खामेनेई अब शांति से नहीं रह पाएंगे। ट्रंप का मानना है कि ईरान के अगले नेता को चुनने में अमेरिका की भी राय होनी चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला में अमेरिकी दखल से की। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, दिवंगत नेता अली खामेनेई ने अपनी वसीयत में साफ लिखा था कि उनका बेटा उनका उत्तराधिकारी न बने। इसके बावजूद, ईरान की ताकतवर सेना (आईआरजीसी) ने मुजतबा को इस पद पर बैठा दिया। जानकारों का कहना है कि खुद अली खामेनेई को अपने बेटे की काबिलियत पर शक था। 56 साल के मुजतबा ने इस पद से पहले कभी किसी सरकारी ओहदे पर काम नहीं किया। वह हमेशा अपने पिता के करीबी घेरे में रहकर पर्दे के पीछे से सत्ता चलाते थे। अमेरिकी दस्तावेजों में उन्हें पर्दे के पीछे की असली ताकत बताया गया है। उन पर पहले भी चुनावों में धांधली करने के आरोप लग चुके हैं। इस्राइली सेना ने भी साफ कर दिया है कि जो भी ईरानी नेता आतंकवाद को बढ़ावा देगा, वह उनके निशाने पर रहेगा।

ओमान के सबसे बड़े बंदरगाह के तेल भंडारण केंद्रों पर ईरानी ड्रोन हमला

मस्कट, एजेंसी। ईरान ने ओमान के सबसे बड़े बंदरगाह सलालाह के तेल भंडारण केंद्रों पर ड्रोन हमला किया। इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया

है। ओमान टीवी ने बताया कि ड्रोन ने बंदरगाह के अंदर बने ईंधन टैंकों को निशाना बनाया। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने भी तेल भंडारण केंद्रों पर हुए हमले की पुष्टि की है। कंपनी ने कहा कि इस हमले में किसी व्यापारी जहाज को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है।

शरीर पर कपड़े, फिर भी नग्न कहलाते हैं सरकारी बाबू?

बीजिंग, एजेंसी। चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में भ्रष्टाचार और जासूसी को रोकने के लिए नेकेड ऑफिशियल्स के खिलाफ मुहिम तेज हो गई है। यह शब्द उन रसूखदार अधिकारियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो खुद तो चीन के ऊंचे पदों पर बैठे हैं लेकिन उनका पूरा परिवार (पत्नी और बच्चे) विदेश में सेटल है।
चीनी भाषा में इन्हें लुओ गुआन कहा जाता है। सरल शब्दों में समझें तो अगर कोई बड़ा सरकारी अधिकारी चीन में अकेला रह रहा है और उसका परिवार विदेश में नौकरी कर रहा है या पढ़ाई कर रहा है तो उसे नेकेड ऑफिशियल माना जाता है। इन्हें नग्न इसलिए कहा जाता है क्योंकि चीन की धरती पर इनका कोई पारिवारिक बंधन या जड़ें शेष नहीं रह जातीं। इनका सारा पैसा और मोह विदेश में होता है। चीन सरकार का मानना है कि ऐसे अधिकारी देश की सुरक्षा के लिए टाइम बम की तरह हैं।

होर्मुज में ईरान की नौसेना पर अमेरिका का वार जारी', ट्रंप बोले- 58 जहाज और बारूदी नावों को किया नष्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नौसैनिक ताकत पर बड़ा हमला किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई में ईरान के कई जहाज और बारूदी सुरंग बिछाने वाली नावों को नष्ट कर दिया गया है। उनका कहना है कि यह कदम वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत निर्णायक सैन्य कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत की जा रही है। ट्रंप के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना है। उनका दावा है कि अमेरिकी सेना ने कम समय में ही ईरान की कई सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

ट्रंप के मुताबिक अमेरिकी सेना को

जानकारी मिली थी कि ईरान समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की तैयारी कर रहा है। इन सुरंगों का मकसद जहाजों को नुकसान पहुंचाना और समुद्री रास्तों को बाधित करना था। उन्होंने कहा कि इसी खतरे को देखते हुए अमेरिकी सेना ने कार्रवाई की। ट्रंप का दावा है कि अमेरिकी हमलों में ईरान के कई माइन बिछाने वाले जहाज और नौसैनिक पोत नष्ट कर दिए गए हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज क्षेत्र में ईरान के कुल 58 नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया है। इसके अलावा बारूदी सुरंग बिछाने वाली कम से कम 31 नावों को भी खत्म किया गया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई बेहद तेजी से की गई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने विशेष तकनीक और हथियारों का इस्तेमाल करते हुए इन जहाजों को निशाना बनाया। ट्रंप ने दावा किया कि पिछले 11 दिनों की सैन्य कार्रवाई में ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा झटका लगा है। उनके मुताबिक ईरान की वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसके रडार सिस्टम भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान की मिसाइल क्षमता लगभग 90 प्रतिशत और ड्रोन क्षमता करीब 85 प्रतिशत तक कमजोर हो चुकी है। ट्रंप के अनुसार अमेरिकी सेना ईरान के हथियार बनाने वाले कारखानों को भी निशाना बना रही है। वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता आई है। इसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने दुनिया के विभिन्न देशों के रणनीतिक भंडार से 400 मिलियन बैरल तेल जारी करने पर सहमति जताई है। ट्रंप के मुताबिक इससे तेल की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखा जा सकेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस संघर्ष को अधूरा नहीं छोड़ेगा। उनका कहना है कि अगर खतरे को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया तो भविष्य में फिर से ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाती रहेगी।

मंडराते संकट को दूर करने ट्रंप ने उठाया कदम

यूएस-ईरान युद्ध के बीच हांफने लगा अमेरिका

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण बढ़ती पेट्रोल कीमतों के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला संकेतित किया है। उन्होंने कहा कि गैसोलीन की कीमतें कम करने के लिए अमेरिका अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से तेल जारी करेगा। ट्रंप का कहना है कि इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी। पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी युद्ध का असर अब सीधे अमेरिका की ऊर्जा व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। बढ़ती तेल कीमतों और गैसोलीन की महंगाई के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनकी सरकार रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से तेल निकाल सकती है। ट्रंप का कहना है कि इससे बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी और पेट्रोल की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

ट्रंप ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा कि सरकार तेल के रणनीतिक भंडार का इस्तेमाल करेगी और इससे कीमतों में कमी लाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल भंडार से कुछ मात्रा में तेल निकाला जाएगा ताकि बाजार में राहत मिल सके। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि कुल कितने बैरल तेल जारी किए जाएंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि बाद में इस भंडार को फिर से भर दिया जाएगा। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार एक आपातकालीन तेल भंडार है, जिसे ऊर्जा संकट या युद्ध जैसी स्थितियों में इस्तेमाल किया जाता है। जब वैश्विक बाजार में तेल की कमी होती है या कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तब सरकार इस भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाने की कोशिश करती है। इससे कीमतों पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मोर्टार शेल फटने से पांच की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री ने बुधवार को बताया कि उनके देश की नीतियों की आलोचना को लेकर दक्षिणी अफ्रीकी सरकार ने अमेरिका के नए राजदूत को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया गया है, जिससे दोनों देशों के बीच जारी कूटनीतिक तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी राजदूत लियो ब्रेंट बोजेल तृतीय ने मंगलवार को कारोबारी नेताओं की एक बैठक में कुछ ऐसी टिप्पणी की थी, जिन्होंने अफ्रीकी सरकार को नाराज कर दिया है। अमेरिकी राजदूत ने दक्षिण अफ्रीका सरकार के ईरान के साथ उनके कूटनीतिक संबंधों और अश्वेत समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए लागू सकारात्मक भेदभाव (अफर्मेटिव एक्शन) कानूनों पर सवाल उठाए। इन कानूनों का उद्देश्य अश्वेत लोगों को अन्य नस्लों की तुलना में अधिक अवसर प्रदान करना है। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मतभेद तब से बढ़ गए हैं जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोबारा सत्ता में लौटे हैं। ट्रंप दक्षिण अफ्रीका की अश्वेत नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। ट्रंप का आरोप है कि दक्षिण अफ्रीका की विदेश नीति अमेरिका विरोधी है, जबकि देश की घरेलू नीतियां श्वेत समुदाय के खिलाफ हैं। रूढ़िवादी कार्यकर्ता और ट्रंप द्वारा नियुक्त लियो ब्रेंट बोजेल तृतीय ने पिछले महीने प्रिटोरिया में अमेरिकी राजदूत के रूप में अपना कार्यभार संभाला था। इस हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि इस घटना के बाद देश के सभी तेल केंद्रों पर कामकाज रोक दिया गया है। इराक की सरकारी पोर्ट कंपनी के महानिदेशक फरहान अल-फरतौसी ने एक बयान में इसकी पुष्टि की।

अमेरिका ने पाकिस्तान में बंद किया अपना वाणिज्य दूतावास

हर साल 75 लाख डॉलर की होगी बचत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को हमेशा के लिए बंद करने का फैसला किया है। यह राजनयिक मिशन अफगानिस्तान सीमा के सबसे करीब था। साल 2001 में अफगानिस्तान पर हमले के समय और उसके बाद भी यह जगह अमेरिका के लिए ऑपरेशंस और रसद का मुख्य केंद्र रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस हफ्ते कांग्रेस को वाणिज्य दूतावास बंद करने की योजना के बारे में बताया। विभाग का कहना है कि इस कदम से हर साल लगभग 75 लाख डॉलर की बचत होगी। अमेरिका का मानना है कि इस फैसले से पाकिस्तान में उसके राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की क्षमता पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को मिले एक नोटिस से यह जानकारी सामने आई है। यह फैसला पिछले एक साल से विचाराधीन था। ट्रंप प्रशासन ने लगभग सभी सरकारी एजेंसियों के खर्चों और आकार को छोटा करना शुरू किया है। विभाग ने साफ किया है

कि इस फैसले का ईरान के साथ चल रहे तनाव से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, ईरान विवाद की वजह से कराची और पेशावर जैसे शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिस कारण वाणिज्य दूतावास ने कुछ समय के लिए अपना काम रोक दिया था। पिछले साल अमेरिकी प्रशासन ने विदेश विभाग के बजट में बड़ी कटौती की थी। इस दौरान हजारों राजनयिकों को हटाया गया और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के स्टाफ में भी भारी कमी की गई। पेशावर वाणिज्य दूतावास पहला ऐसा विदेशी मिशन है, जिसे विभाग के पुनर्गठन की वजह से पूरी तरह बंद किया जा रहा है। नोटिस के अनुसार, पेशावर वाणिज्य दूतावास में 18 अमेरिकी राजनयिक और अन्य सरकारी अधिकारी काम करते हैं। इनके साथ ही 89 स्थानीय कर्मचारी भी वहां तैनात हैं। इस मिशन को पूरी तरह बंद करने में करीब 30 लाख डॉलर का खर्च आएगा। इस रकम का आधा हिस्सा यानी 18 लाख डॉलर उन बख्तरबंद ट्रेलरों को दूसरी जगह ले जाने में खर्च होगा, जो वहां ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल हो रहे थे।

बाकी पैसा गाड़ियों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेलीकम्युनिकेशन उपकरणों और ऑफिस के फर्नीचर को इस्लामाबाद, कराची और लाहौर भेजने में इस्तेमाल होगा। अफगानिस्तान सीमा और काबुल के पास होने की वजह से पेशावर वाणिज्य दूतावास बहुत महत्वपूर्ण था। यह उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में अमेरिकी नागरिकों और मदद चाहने वाले अफगान लोगों के लिए संपर्क का बड़ा जरिया था।

यूएस में टैरिफ पर नए दांव-पेंच: क्या 52 साल पुराने कानून में हो सकते हैं बदलाव

ट्रंप प्रशासन ने शुरू की जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व टैरिफ व्यवस्था को रद्द किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने विदेशी मैन्युफैक्चरिंग पर नई व्यापार जांच शुरू कर दी है। इस कदम को उन अरबों डॉलर के राजस्व की भरपाई की कोशिश माना जा रहा है जो अदालत के फैसले के बाद सरकार को खोना पड़ा। अमेरिकी प्रशासन ने बुधवार को ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 301 के तहत यह जांच शुरू की है। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी कंपनियों और देशों की औद्योगिक नीतियों की जांच की जाएगी, जिसके बाद उन पर नए आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए जा सकते हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार की नीति में बदलाव नहीं हुआ है, केवल इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य अमेरिकी उद्योग और नौकरियों की सुरक्षा करना है। नई जांच के दायरे में कई बड़े व्यापारिक साझेदार देश शामिल हैं। इनमें भारत, चीन, यूरोपीय संघ, बांग्लादेश, जापान, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मेक्सिको और ताइवान जैसे देश शामिल

हैं। अमेरिकी सरकार इन देशों की उन नीतियों की जांच करेगी जिनसे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो सकता है। इसमें औद्योगिक सब्सिडी, मजदूरी दमन और अमेरिकी बाजार में लगातार व्यापार अधिशेष जैसे मुद्दों को देखा जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस जांच के बाद नए टैरिफ लागू होते हैं तो वैश्विक व्यापार में फिर तनाव बढ़ सकता है। इससे पहले लगाए गए टैरिफ के कारण अमेरिका और उसके कई व्यापारिक साझेदारों के बीच तीखी आर्थिक खींचतान देखने को मिली थी। हालांकि ग्रीर ने कहा कि पिछले साल घोषित व्यापार ढांचे अपने आप में अलग हैं और नई जांच उनसे सीधे जुड़ी नहीं है। फिर भी इन समझौतों को ध्यान में रखते हुए आगे का निर्णय लिया जा सकता है।

ट्रंप प्रशासन ने सेक्शन 301 के तहत एक और जांच शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य जबरन श्रम से बनाए गए उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की संभावनाओं का आकलन करना है। इसके अलावा डिजिटल सेवा कर, दवाओं की कीमत और समुद्री प्रदूषण जैसे मुद्दों पर भी भविष्य में नई जांच शुरू हो सकती है।

● सुरक्षा और तेल की कीमतों को लेकर चिंता

ईरान पर सैन्य कार्रवाई सही, घर में घिरे ट्रंप, सर्वे में अमेरिका के लोगों का चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर अमेरिका में जनता की राय बंटी हुई है। नए सर्वे बताते हैं कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं और उन्हें डर है कि इससे देश पहले से अधिक असुरक्षित हो सकता है। राजनीतिक ध्रुवीकरण भी साफ दिख रहा है जहां रिपब्लिकन मतदाता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के साथ खड़े हैं, वहीं डेमोक्रेट और स्वतंत्र मतदाता चिंता और विरोध में हैं। क्विनिपियाक यूनिवर्सिटी के सर्वे में लगभग 53% रजिस्टर्ड वोटर्स ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विरोध किया, जबकि 40% ने समर्थन किया और 10% ने स्पष्ट राय नहीं दी। इप्सोस, वाशिंगटन पोस्ट और ष्टहह के सर्वे में भी यही रुझान दिखा कि अधिकांश अमेरिकी इस कदम के पक्ष में नहीं हैं। इसके विपरीत, फॉक्स न्यूज के सर्वे में मत लगभग बराबर बंटा हुआ दिखा, जहां आधे मतदाताओं ने समर्थन किया और आधे ने विरोध। क्विनिपियाक के सर्वे में 55% लोगों ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान ने अमेरिका के लिए तत्काल कोई सैन्य खतरा

पैदा किया। वहीं, फॉक्स न्यूज के सर्वे में 60% मतदाताओं ने माना कि ईरान अमेरिका के लिए वास्तविक खतरा है। अमेरिकियों को तेल और गैस की कीमत बढ़ने का डर भी सताता है। इप्सोस के 6-9 मार्च सर्वे में लगभग दो-तिहाई लोगों ने कहा कि आने वाले एक साल में पेट्रोल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं में भी इस बात की चिंता देखी गई।

क्विनिपियाक और फॉक्स न्यूज के अनुसार लगभग आधे मतदाता मानते हैं कि ईरान पर सैन्य कार्रवाई से अमेरिका कम सुरक्षित हो सकता है, जबकि लगभग 30% का मानना है कि इससे देश सुरक्षित हुआ। ष्टहह के सर्वे में करीब 60% लोगों ने ट्रंप पर भरोसा कम या बिल्कुल नहीं होने की बात कही। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनओआरसी सर्वे में भी 56% अमेरिकी विदेशों में सैन्य कार्रवाई को लेकर ट्रंप के फैसलों पर भरोसा कम दिखा रहे हैं। क्विनिपियाक के सर्वे में तीन-चौथाई मतदाता ईरान में अमेरिकी जमीनी सैनिक भेजने के खिलाफ हैं। केवल 20% लोग इस कदम के पक्ष में हैं। रिपब्लिकन मतदाताओं में भी 52% सैनिक भेजने के खिलाफ हैं।

यूएसएन ईरान के चक्कर में फंसा स्पेन, ट्रंप बोले- सैन्य ठिकाने इस्तेमाल नहीं करने दिए तो बंद कर सकते हैं व्यापार

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगी देश स्पेन को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर स्पेन ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देता है तो अमेरिका उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित या बंद करने पर विचार कर सकता है। ट्रंप का यह बयान अमेरिका और स्पेन के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव को दिखाता है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वाशिंगटन इस मुद्दे को गंभीरता से देख रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियानों को जारी रखेगा और सहयोगी देशों से समर्थन की उम्मीद करता है। ट्रंप ने संकेत दिया कि स्पेन का रुख बदलने के लिए अमेरिका आर्थिक कदम भी उठा सकता है।

स्पेन ने अमेरिका के प्रस्ताव को क्यों ठुकराया?

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने स्पष्ट कहा है कि उनकी सरकार युद्ध का समर्थन नहीं करती। उन्होंने दोहराया कि स्पेन की नीति स्पष्ट है और वह युद्ध के खिलाफ खड़ा है। सांचेज ने कहा कि उनकी सरकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों के साथ खड़ी है और किसी भी सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं करेगी।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है और उसने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। उनके मुताबिक अमेरिकी हमलों से ईरान की सैन्य क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के कई समुद्री जहाजों को नष्ट कर दिया है, जिनका इस्तेमाल बारूदी सुरंगें बिछाने के लिए किया जाता था। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। उनका दावा है कि अमेरिकी कार्रवाई के बाद वहां हालात धीरे-धीरे स्थिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान की कई माइन बिछाने वाली नौकाओं को नष्ट कर दिया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट: यूएनएससी में उठी पड़ोसियों पर हमले रोकने की मांग

दुबई, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को दुनिया के सबसे व्यस्त दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिका और इस्राइल तेहरान पर हमले कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र की सबसे ताकतवर संस्था, सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पास किया है। इसमें ईरान से अपने पड़ोसी देशों पर हमले तुरंत रोकने की मांग की गई है। इन हमलों से दुनिया भर में तेल की सप्लाई को बड़ा खतरा पैदा हो गया है। ईरान इन हमलों के जरिए अमेरिका और इस्राइल पर दबाव बनाना चाहता है ताकि 12 दिन पहले शुरू हुआ युद्ध खत्म हो सके। पेंटागन के अनुसार, युद्ध के पहले हफ्ते में ही अमेरिका को 11.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। सेना ने बताया कि युद्ध के पहले वीकेंड में अकेले हथियारों पर पांच अरब डॉलर खर्च हो गए। ईरान ने खाड़ी देशों के तेल क्षेत्रों और रिफाइनरियों को निशाना बनाया है। उसने होर्मुज की खाड़ी से होने वाले व्यापार को भी रोक दिया है, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। इस संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपने बड़ा फैसला लिया है। वह बाजार में 40 करोड़ बैरल तेल उतारेगी। अमेरिका भी अगले हफ्ते अपने सुरक्षित भंडार से 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें ईरान से खाड़ी पड़ोसियों पर

अत्यधिक हमलों को रोकने की मांग की गई है। हाल के हमलों में, संयुक्त अरब अमीरात में दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दो ईरानी ड्रोन हमलों में चार लोग घायल हुए। हालांकि, उड़ानें जारी रहीं। दुबई मीडिया कार्यालय ने यह जानकारी दी। गुरुवार की सुबह दुबई क्रीक हार्बर में एक लक्जरी अपार्टमेंट टॉवर में आग लग गई। बहरीन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि ईरानी-लिंक्ड हमलों ने मुहर्रक प्रांत में ईंधन टैंकों को निशाना बनाया। ओमान के सलालाह बंदरगाह पर भी ईंधन भंडारण टैंकों में आग लगी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन ईरानी हमलों को दृढ़ता से खारिज करता है। ये हमले संप्रभु देशों के खिलाफ हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और व्यापार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्थिरता को खतरे में डालते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सबसे शक्तिशाली निकाय में 13-0 के वोट से ईरान की अलग-थलग स्थिति झलकती है। चीन और रूस ने मतदान से परहेज किया। उन्होंने प्रस्ताव को अत्यंत असंतुलित बताया। इस बीच, खाड़ी देशों में और हमलों की सूचना मिली। इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में इरबिल और सुलेमानिया शहरों की ओर ड्रोन लॉन्च किए गए। इराक के दक्षिणी हिस्से में एक ऑस्ट्रेलियाई झंडे वाले तेल जहाज पर हमला हुआ। जहाज के 25 चालक दल को बचा लिया गया। गुरुवार को यरूशलम और इस्रायल के अन्य हिस्सों में सायरन बजे और जोरदार धमाके सुनाई दिए। इस्रायली सेना ने कहा कि वह तेहरान में बड़े पैमाने पर हमलों की एक और लहर के साथ जवाब दे रही थी। इस्रायल ने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादियों से जुड़े ठिकानों पर भी हमला किया। बेरुत के रामलेट अल-बायदा में एक इस्रायली हमले में सात लोग मारे गए और 21 अन्य घायल हुए।

ब्रीफ न्यूज

विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप 2026 में भारत की युवा टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

बैंकॉक। बैंकॉक में विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप 2026 के पांचवें दिन भारत की युवा मुक्केबाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। गुंजन, राधामणि लॉगजम और चंद्रिका पुजारी ने अपने अपने मुकाबलों में जीत हासिल की। गुंजन ने पोलैंड के मुक्केबाज को 5-0 से हराया। वहीं, राधामणि ने पहले दौर में इक्वेडोर के खिलाड़ी को पराजित किया। लेकिन प्राची को स्लोवाकिया के मुक्केबाज और प्रियांस सेहरावत को मोरक्को के खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। बाद में सायंकालीन सत्र में चंद्रिका पुजारी ने 50 किलोग्राम वर्ग में अमरीका के खिलाड़ी पर जीत हासिल की।

स्विस ओपन बैडमिंटन चैंपियनः पुरुष सिंगल्स में चीनी शटलर से हारे भारत के किरण जार्ज

बेसल। बेसल में स्विस ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष सिंगल्स में कल भारत के किरण जॉर्ज को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें चीन के जेसन गुनावन ने हराया। वहीं, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष डबल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने जापान के हिरोकी ओकामुरा और क्योहेई यामाशिता की जोड़ी को पराजित किया। अब उनका मुकाबला डेनमार्क के क्रिश्चियन फॉस्ट कजेर और रासमस कजेर की जोड़ी से होगा। मिक्स्ड डबल्स में, चीन की जोड़ी जे. गाओ और एम. वू ने भारतीय जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को हराया।

वैभव को एशियाई खेलों के लिए मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंधी को इस भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम से डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि इस साल भारतीय टीम का काफी व्यस्त कार्यक्रम है और उसे अपनी धरती के साथ ही विदेशी मैदानों पर भी काफी क्रिकेट खेलना है। इसी को देखते हुए ये भी हो हो सकता है भारतीय बोर्ड दो टीमें उतारे जिस एक अनुभवी और दूसरी युवा क्रिकेटरों से भरी रहेगी। उसे जून से लेकर अक्टूबर तक लगाता कई टीमों से खेलना है। इसी दौरान उसे जिम्बाब्वे के अलावा नई टीम आयरलैंड से भी खेलना है। वैभव ने पिछले कुछ समय से भारतीय अंडर 19 के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए उन्हें इस साल के अंत में एशियाई खेलों में उतरने का अवसर मिल सकता है।

टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहेगी। इसी को देखते हुए सीरीज श्रीलंका, जिम्बाब्वे, आयरलैंड के खिलाफ टी20 और एशियाई खेलों में सीनियर खिलाड़ियों को आराम देते हुए उनकी जगह पर वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या जैसे उभरते खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकता है।

दूसरे वनडे- पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 128 रन से हराया

ढाका। पाकिस्तान ने वनडे सीरीज के दूसरे मैच में बांग्लादेश को 128 रन से हराया दिया है। इस जीत से टीम ने 3 मैचों की सड्डीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। तीसरा और निर्णायक मुकाबला 15 माचर्ड्ड को मीरपुर में खेला जाएगा। ढाका के शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पाकिस्तानी टीम 47.3 ओवर में 274 रन पर ऑलआउट हो गई और मेजबान टीम को 275 रन का टारगेट दिया। इसे बांग्लादेश की पारी के दौरान बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। ऐसे में टारगेट को रिवाइज करके 243 रन कर दिया गया। इसे चेज करते हुए बांग्लादेशी टीम 23.3 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई।

सदाकत माज ने दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने 46 बॉल पर 75 रनों की पारी खेली। इतना ही नहीं, 3 विकेट भी झटके। पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने 62 बॉल पर 64 रन बनाए। उन्हें मेहदी हसन मिराज ने रनआउट कर दिया। इस रनआउट पर विवाद खड़ा हो गया।

ओपनर्स ने पाकिस्तान को मजबूत शुरुआत दिलाई

टॉस हारकर बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। टीम ने पहले पावरप्ले में बगैर विकेट गंवाए 85 रन बनाए। सदाकत माज ने 9वें ओवर में नाहिद राणा की दूसरी बॉल पर चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने साहिबजादा फरहान के साथ 103 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। माज को मेहदी हसन मिराज ने कैच आउट कराया और ओपनिंग पार्टनरशिप ब्रेक की।

फरहान 31, शमील 6 रन बनाकर आउट

103 रन पर पहला विकेट गंवाने वाली पाकिस्तान ने 121 पर दूसरा और 122 रन पर दूसरा विकेट गंवाया। यहां पर फरहान 31 और शमील 6 रन बनाकर आउट हुए। एक समय टीम का स्कोर 122/3 हो गया था।

यहां से मोहम्मद रिजवान और सलमान अली आगा ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करके पाकिस्तानी टीम की वापसी कराई। लेकिन, सलमान 64 रन के स्कोर पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट होने से यह साझेदारी टूट गई।

एथलीट दिलाती हैं, इसलिए महिला क्रिकेट टीम को ज्यादा समर्थन

उन्हें पुरुषों से बेहतर ट्रेनिंग सुविधाएं-विदेशी दौरों के मौके भी

लंदन। भारत सहित कई देशों में पारंपरिक रूप से पुरुष क्रिकेट का प्रभाव अधिक रहा है। इसके उलट चीन में एक नई व्यवस्था देखने को मिलती है। चीन में क्रिकेट को मुख्य रूप से महिलाओं का खेल माना जाता है और सारा ध्यान महिला टीम के विकास पर केंद्रित है। हाल ही में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में आयोजित 'क्रिकेट रिसर्च नेटवर्क' के सम्मेलन में चीन की इसी अनूठी खेल नीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

सम्मेलन में चीन की शीआन जियाओतोंग यूनिवर्सिटी के रिसर्चर मैक्स हे ने एक शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि चीन में खेलों का पूरा ढांचा ओलिंपिक मेडल की संख्या बढ़ाने पर आधारित है। 1988 के सोल ओलिंपिक में चीन को केवल पांच गोल्ड मिले थे। इसके बाद, चीनी खेल प्रशासन ने रणनीति में बड़ा बदलाव किया। उन्होंने तय किया कि खेल महाशक्ति बनने और मेडल टेबल में शीर्ष पर रहने के लिए 'महिला खेलों' में निवेश करना सबसे प्रभावी तरीका है।

महिला टीम आईसीसी रैंकिंग में 45वें पर, पुरुष 91 पर

चीन की पुरुष टीम के पास संसाधनों और अंतरराष्ट्रीय अवसरों का अभाव है। सुविधाओं के इस अंतर का सीधा असर रैंकिंग पर भी दिखता है। वर्तमान आईसीसी टी20 रैंकिंग में चीन की महिला टीम 45वें स्थान पर है, जबकि पुरुष टीम 91वें स्थान पर संघर्ष कर रही है।

जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी केकेआर की टीम में शामिल

फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 से पहले साइन किया, टी-20 वर्ल्ड कप में 13 विकेट झटके

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स नेआईपीएल 2026 से पहले जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपनी टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

29 साल के इस तेज गेंदबाज ने टी-20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे की ओर से 13 विकेट झटके थे। वे अपनी टीम के टॉप विकेट टेकर्स रहे हैं। जिम्बाब्वे की टीम सुपर-8 स्टेज तक पहुंची थी।

एक्स्ट्रा बाउंस से परेशान करते हैं मुजबानी

6 फीट 8 इंच लंबे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के आने से कोलकाता का पेसर बॉलिंग अटैक मजबूत होगा। उन्हें टी-20 में उनकी बाउंस और विकेट लेने के लिए जाना जाता है। मुजरबानी अपनी लंबाई और तेज गति के कारण एक्स्ट्रा बाउंस हासिल करते हैं, जिससे बल्लेबाजों के लिए उन्हें खेलना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

अब तक कोई आईपीएल मैच नहीं खेला

ब्लेसिंग मुजरबानी पहली बार भारतीय लीग के किसी मैच में हिस्सा लेंगे। उन्होंने अब तक आईपीएल का कोई भी मैच नहीं खेला है। उन्हें पिछले साल की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरी के कुछ मैचों के लिए अपने साथ जोड़ा था, लेकिन उन्हें प्लेइंग-11 में हिस्सा नहीं मिला। मुजरबानी को लुंगी एनगिडी की जगह टीम में शामिल किया गया था। एनगिडी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण आखिरी के मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे।

मुजरबानी ने 89 मैच में 106 विकेट झटके

जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज के पास टी20 इंटरनेशनल का अच्छा अनुभव है। उन्होंने 89 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 106 विकेट झटके हैं। उनका गेंदबाजी औसत करीब 21 का है। इस फॉर्मेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 विकेट पर 17 रन है।

ट्रम्प बोले- ईरानी टीम का अमेरिका न आना ही बेहतर

ईरानी मंत्री बोल चुके-फीफा वर्ल्ड कप खेलना मुश्किल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरानी फुटबॉल टीम को अपनी जान और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका नहीं आना ही बेहतर होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरानी टीम का स्वागत है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको मिलकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून को मैक्सिको सिटी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

ईरानी खेल मंत्री ने कहा था कि खेलना मुश्किल

वहीं, एक दिन पहले ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने कहा कि देश की फुटबॉल टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकती। उनका कहना है कि अमेरिकी-इजराइली हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद बने हालात में टीम का टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है।

इससे पहले फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने बताया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी जाएगी।

टिकटों की डिमांड सबसे ज्यादा, खिलाड़ियों को मिलेगा 'स्टार' ट्रीटमेंट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने बताया कि वर्ल्ड कप के टिकटों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने फैन्स और खिलाड़ियों को भरोसा दिलाते हुए लिखा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। टिकटों की बिक्री आसमान छू रही है। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे महान और सुरक्षित आयोजन होगा। सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और फैन्स के साथ 'सितारों' जैसा व्यवहार किया जाएगा।

एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026

क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

हैदराबाद। भारत ने एफआईएच हॉकी महिला विश्वकप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत ने हैदराबाद में चल रहे क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर यह उपलबधि हासिल की। नियमों ने अनुसार महिला विश्वकप क्वालीफायर्स के दो टूर्नामेंट में अंतिम सात में जगह बनाने वाली टीमें अगामी महिला हॉकी विश्वकप के लिए क्वालीफाई करेंगी। ये दो टूर्नामेंट भारत में हैदराबाद और चिली में सांटियागो में होंगे। दोनों टूर्नामेंट की श्रेष्ठ तीन-तीन टीमें और चौथे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीम 15 से 30 अगस्त तक बेलजियम और नीदरलैंड्स में होने वाले मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

भारत को हैदराबाद में क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में इटली के साथ अभी अपना सेमीफाइनल मैच खेलना है लेकिन वह विश्वकप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है। एफआईएच महिला हॉकी रैंकिंग में भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए छठें स्थान पर है। भारत 9वीं बार महिला हॉकी विश्वकप में अपनी चुनौती पेश करेगा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां-प्री 2026

भाला फेंक स्पर्धा में भारत के सुमित अंतिल ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। सुमित अंतिल ने कल नई दिल्ली में विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां-प्री 2026 में पुरूषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने 69.25 मीटर भाला फेंका। पुष्पेन्द्र सिंह ने 56.91 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता। इसी स्पर्धा में पूनम राम ने 49.48 मीटर थ्रो के साथ कांस?य पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन कल भारत का कई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन रहा। भारत का पुरूषों के चार सौ मीटर दौड़ टी-13 में दबदबा रहा। सुबोधकांत ने स्वर्ण, प्रियांशु कौशिक ने रजत और अवनिल कुमार ने कांस्य पदक अपने-अपने नाम किए। पुरूषों की चार सौ मीटर दौड़ टी-46/टी-47 में भाविक कुमार ने स्वर्ण और जसबीर सिंह ने रजत पदक जीते।

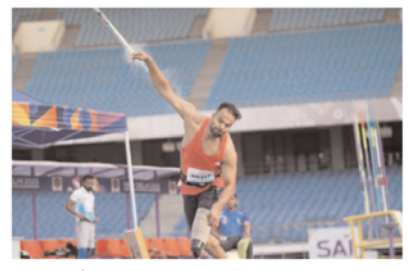

भारतीय महिला खिलाडियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। चार सौ मीटर टी-11/टी-12 स्पर्धा में तेजलबेन अमराजी दामोर ने स्वर्ण, ललिता कैलका ने रजत और शालिनी चौधरी ने कांस्य पदक हासिल किए। महिलाओं की गोला फेंक में लक्ष्मी को स्वर्ण मिला जबकि अक्कुताई सीताराम उलभागट ने रजत पदक हासिल किया। इसी स्पर्धा में भूटान की चिनीदेमा ने कांस्य पदक जीता। पुरूषों की गोलाफेंक एफ-46 स्पर्धा में रोहित कुमार ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। देवेन्द्र सिंह को रजत और लोकेश अकोल को कांस्य पदक मिला।

स्लोवेनिया में यूईएफए कांफ्रेस लीग फुटबॉल मैच में खेलते हुए एनके सिलजी और एईके एथेंस के खिलाड़ी।

ATP मास्टर्स के सभी 9 इवेंट्स में आखिरी-4 खेलने वाले पांचवें खिलाड़ी बने

ज्वेरेव पहली बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

जर्मनी। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया।

इस जीत के साथ ज्वेरेव ज्नक मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

बिग फोर के क्लब में शामिल

इस उपलब्धि के साथ ज्वेरेव 'बिग फोर' यानी रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे के चुनिंदा खिलाड़ी क्लब में शामिल हो गए हैं।

ज्वेरेव ने कहा, 'इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ पांच खिलाड़ियों में शामिल होना मेरे लिए बहुत खास है। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर मुझे गर्व है।'

मास्टर्स खिताब जीत चुके हैं

ज्वेरेव अब तक नौ में से पांच मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीत चुके हैं। हालांकि, वह अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए हैं, जबकि तीन बार फाइनल तक पहुंच चुके हैं।

क्या है एटीपी मास्टर्स 1000 का 'सेट'

टेनिस में ग्रैंड स्लैम के बाद मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट सबसे प्रतिष्ठित माने जाते हैं। एक साल में कुल 9 ऐसे टूर्नामेंट होते हैं-इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो, मैड्रिड, रोम, कनाडा, सिनसिनाटी, शंघाई और पेरिस।

इन सभी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी खिलाड़ी की निरंतरता और उच्च स्तर के प्रदर्शन को दर्शाता है। ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना यह 'सेट' पूरा कर लिया है।

सेमीफाइनल में सिनर से मुकाबला

सेमीफाइनल में ज्वेरेव का मुकाबला इटली के वर्ल्ड नंबर-2 जेनिक सिनर से होगा। सिनर के खिलाफ ज्वेरेव का रिकॉर्ड थोड़ा कमजोर रहा है और वह लगातार पांच मैच हार चुके हैं। सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को सिर्फ 66 मिनट में 6-1, 6-2 से हराया। सिनर अभी तक इंडियन वेल्स का खिताब नहीं जीत पाए हैं और इस साल अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और कतर ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गए थे।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, बेमेतरा में जगदीश बर्मन सी बी एस ई रीजनल ऑफिसर रायपुर छत्तीसगढ़ का प्रेरणादायी दौरा, शिक्षकों को दिया उत्कृष्ट शिक्षा और संस्कार का संदेश

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में जगदीश बर्मन सी बी एस ई प्रमुख का विशेष मार्गदर्शन, शिक्षकों को दी नई शिक्षा पद्धति की सीख

बेमेतरा/मूक पत्रिका

दाढ़ी क्षेत्र का एकमात्र सीबीएसई विद्यालय डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, बेमेतरा में दिन गुरुवार मे जगदीश बर्मन सी बी एस ई रिजलन ऑफिसर रायपुर छत्तीसगढ़ प्रमुख का प्रेरणादायी दौरा संपन्न हुआ। विद्यालय के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ की ओर से उनका हार्दिक स्वागत किया। अतिथि के स्वागत के लिए विद्यालय परिसर को फूलों से सजाया गया तथा सुंदर रंगोली भी बनाई गई। श्री बर्मन का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य जायसवाल ने श्री बर्मन के आगमन के लिए आभार व्यक्त किया और उन्हें विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल दाढ़ी क्षेत्र का एकमात्र सीबीएसई विद्यालय है, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अपने दौरे के दौरान श्री बर्मन ने शिक्षकों के साथ एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया और आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने नवीन शिक्षण विधियों, प्रभावी कक्षा प्रबंधन तथा सीबीएसई दिशानिर्देशों के अनुरूप उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में अच्छे संस्कारों का विकास भी उतना ही आवश्यक है।

विद्यालय में ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जिससे बच्चे ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अनुशासन को भी अपने जीवन में अपनाएं। आगे उद्बोधन में शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम सभी को दोगुने उत्साह और मेहनत के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास – शैक्षणिक, नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक – पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षकों के लिए यह दौरा अत्यंत प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधन एवं स्टाफ ने जगदीश बर्मन को उनके बहुमूल्य समय, सहयोग और मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा में मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा में अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदस्य, प्रबंधन एवं अनुश्रवण समिति की सदस्य एवं समाज सेविका मंजुषा पाटले के मुख्य आतिथ्य में विद्यार्थियों को प्रोत्साहन छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम में सत्र 2025ङ्क26 के उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ उत्कृष्ट उपस्थिति दर्ज की थी। मुख्य अतिथि इंजी. मंजुषा पाटले ने विद्यार्थियों को पुरस्कार राशि प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए उचित मंच की आवश्यकता होती है और भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा युवाओं को अपने कौशल को निखारने का सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान रेणु साहू (प्रथम सेमेस्टर) एवं मोनिका साहू (तृतीय सेमेस्टर) को उत्कृष्ट अंक एवं उपस्थिति के आधार पर 1600-1600 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। वहीं यशमिता देवांगन, आदित्य कोरी एवं रीना मिराज को उत्कृष्ट उपस्थिति के लिए 600-600 रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य सौरभ सिंह ठाकुर, डी.डी.ओ. एवं लाइब्रेरियन बिहारी लाल पटेल सहित संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में कुल 5000 रुपये की प्रोत्साहन राशि छात्र-छात्राओं को वितरित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित करना रहा।

करंट से दो हाथियों की मौत मामले में बड़ा खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तारऽ एक फरार

रायगढ़। घरघोड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत कुरकुट नदी के पास दो हाथियों के शव मिलने के मामले में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। सघन जांच और पूछताछ के बाद वन विभाग की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 11 फरवरी को घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत कुरकुट नदी के पास दो सावन हाथियों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शव नदी में होने के कारण वन विभाग के लिए मौत के कारणों का पता लगाना चुनौतीपूर्ण था। मामले की गंभीरता को देखते हुए रायगढ़ वन मंडलाधिकारी अरविंद पीएम के निर्देश पर उप वन मंडलाधिकारी आशुतोष मंडावा के मार्गदर्शन में और प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रांत सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने जांच शुरू की। लगातार पूछताछ और सघन जांच के बाद टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों में रामकुमार राठिया (55 वर्ष) पिता मेहत राम और धरम सिंह राठिया (38 वर्ष) पिता फूल सिंह, दोनों निवासी पाका दरहा शामिल हैं। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और उन्हें शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने खेत में सिंचाई के लिए नदी में मोटर लगाई थी, जिससे करंट फैल गया और तीन दिन पहले उसकी चपेट में आने से दो हाथियों की मौत हो गई। घटना में प्रयुक्त सोलर प्लेट, तार, बैटरी, फेंसिंग वायर, वाटर पाइप सहित अन्य सामग्री भी वन विभाग ने जब्त कर ली है। वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं फरार आरोपी की तलाश जारी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 10,621 प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण

ट्रैफिक, राजस्व,बैंक ऋण और बिल विवाद से जुड़े मामलों में समझौता

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर कुल 10,621 प्रकरणों का निराकरण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दंतेवाड़ा संतोष कुमार आदित्य के मार्गदर्शन में तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बीजापुर रोजमीन राजेश खाखा के नेतृत्व में किया गया। खण्डपीठ क्रमांक-1 बीजापुर में पीठासीन अधिकारी रोजमीन राजेश खाखा ने अधिवक्ता एस.एकटी और अधिवक्ता ईश्वरी झाड़ी की उपस्थिति में आपराधिक और प्री-लिटिगेशन से जुड़े राजीनामा योग्य प्रकरणों का प्ली बारगेनिंग और स्वीकारोक्ति के आधार पर निराकरण किया। तालुका विधिक सेवा समिति बीजापुर के समन्वय से आयोजित लोक अदालत में आपसी समझौते से आपराधिक के 5 प्रकरण और पराकाम्य लिखत अधिनियम का 1 प्रकरण निपटाया गया। इसके अलावा यातायात नियम उल्लंघन के 1003 ट्रैफिक मामले और आबकारी विभाग के 38 प्रकरणों का भी निराकरण किया गया। इन मामलों में शासन के पक्ष में 1 लाख 38 हजार 300 रुपए की राशि राजसात की गई। इसी तरह जलकर, बिजली बिल, दूरसंचार बिल और बैंक ऋण से जुड़े 601 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में भी समझौते के आधार पर 77 हजार 719 रुपए की राशि का निराकरण किया गया।

जिले के राजस्व न्यायालयों में खातेदारों के बीच बंटवारा, नामांतरण और अन्य राजस्व से जुड़े 7,574 मामलों का भी समाधान किया गया। लोक अदालत में मामलों का निराकरण आपसी सहमति से किया जाता है, जिससे दोनों पक्षों को राहत मिलती है और न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या भी कम होती है। इस दौरान व्यवहार न्यायालय बीजापुर के कर्मचारी पीताम्बर सिंह मण्डावी, शिवशंकर तोगर, गौरैया गोटा, सुनील कुमार मौर्य, नारायण पिटला, डोमेन्द्र कुमार साहू और कैलाश चन्द्रवंशी भी मौजूद रहे।

माफियाओं ने रेत के लिए मोड़ दी नदी की धार हसदेव नदी की सीना हो रही छलनी ...

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले की जीवन दायिनी हसदेव नदी की सीना छलनी हो रही है। पीथमपुर-हथनेवरा घाट में रेत माफियाओं ने हसदेव नदी को 'सोने की खान' बनाकर धड़ल्ले से रेत निकाल रहे हैं। यहां पर माफियाओं ने हसदेव नदी की धार को ही मोड़कर रख दिया है और दिन रात चेन माउंटेन मशीन से धड़ल्ले से रेत निकाली जा रही है। इन माफियाओं पर कार्रवाई तो दूर, देखने वाला भी कोई नहीं है। हद तो तब हो जाती है इसी नदी के पास से नेशनल हाइवे 49 गुजरी है। जहां से कलेक्टर एसपी सहित आला अधिकारी गुजरते रहते हैं, बावजूद इन पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाती। सभी आंखें बंद कर निकल पड़ते हैं। हसदेव नदी का स्वरूप यानी चौड़ाई पहले एक किमी के दायरे में था। जिसे रेत माफियाओं ने रेत निकालने के लिए इसका स्वरूप ही बदल डाला और नदी की धार को मोड़कर पूरी नदी को खोखली कर डाल रहे हैं। नदी में अब सिर्फ पत्थर के टीले नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि यहां अब तक ठेका भी नहीं हुआ है। यानी पूरी तरह से अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। माफिया यहां से हर रोज लाखों का कारोबार कर रहे हैं। जानकारों की माने तो एक दिन में यहां 20 से 25 हाइवा रेत निकाली जा रही है। जिसकी कीमत लाखों रुपए की होती है।

खेती किसानी करने वाले भी बेकाम -

पहले हसदेव नदी के रेतीले इलाके में लोग गर्मी के दिनों में तरबूज, लौकी, ककड़ी सहित अन् साग सब्जी की खेती करते थे। लेकिन जबसे यहां रेत माफिया हावी हुए हैं तब से यहां परंपरागत खेती करने वालों का रोजी रोटी छिन सा गया है। अमूमन गर्मी के दिनों में नदी के तट पर रेतीली भूमि में दर्जनों एकड़ भूमि में तरबूज की खेती की जाती थी। जो अब बंद हो चुका है।

संयुक्त टीम का पता नहीं- रेत माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए कलेक्टर एसपी ने एक संयुक्त टीम का गठन किया था। जिसमें खनिज अफसरों के अलावा पुलिस व राजस्व विभाग के अफसरों को शामिल किया था। शुरुआती दिनों में दो चार कार्रवाई हुई। फिर यह टीम सुस्त पड़ गई। अब पखवाड़े भर से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लिहाजा रेत माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं और गुपचुप तरीके से रेत निकाल रहे हैं।

रेत माफियाओं पर हमारे द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। यदि फिर से कहीं अवैध तरीके से रेत निकाली जा रही है तो कार्रवाई के लिए मैदानी अमले को सकर्त किया जाएगा। ताकि वे फिर से कार्रवाई कर सकें

- हेलेंद्र स्वर्णपाल, जिला खनिज अधिकारी....

मानवता शर्मसार: पिता ने 5 वर्षीय बेटे की निर्मम हत्या ...

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने ही 5 वर्षीय मासूम बेटे की नहर के गहरे पानी में डुबोकर हत्या कर दी। घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए जांजगीर-चांपा पुलिस ने आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। आरोपी रेशम लाल यादव (27 वर्ष), निवासी ग्राम भैंसो, थाना पामगढ़, ने पारिवारिक विवाद के चलते इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की शादी वर्ष 2018 में हुई थी और उसके तीन बच्चे हैं। घरेलू विवाद और मारपीट के कारण उसकी पत्नी अपनी दो बेटियों के साथ मायके ग्राम भिलौनी में रह रही थी, जबकि 5 वर्षीय बेटा आयुष आरोपी के पास था। बताया गया है कि आरोपी अक्सर पत्नी को फोन कर धमकी देता था कि वह पहले बेटे की हत्या करेगा और फिर स्वयं भी आत्महत्या कर लेगा। 13 मार्च की शाम आरोपी बेटे आयुष को लेकर घर से निकला और 14 मार्च की रात करीब 1 बजे ग्राम भिलौनी के आवास पारा नहर में मासूम को डुबोकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद रात लगभग 2 बजे आरोपी पत्नी के घर पहुंचा और स्वयं ही बेटे की हत्या करने की बात स्वीकार की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी के नेतृत्व में थाना पामगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी सावन सारथी द्वारा आरोपी को तत्काल हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने पर जोर, जिले भर से आए शिक्षक-प्राचार्य हुए शामिल

समावेशी शिक्षा को मजबूती देने बीजापुर में 3 दिवसीय कार्यशाला, शिक्षकों और अभिभावकों को दी योजनाओं की जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। समावेशी शिक्षा को मजबूत बनाने और दिव्यांग बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले में तीन दिवसीय जिला स्तरीय उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। 12 से 14 मार्च तक चली इस कार्यशाला में जिले के अलग-अलग विकासखंडों से आए प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम जिला कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश और जिला मिशन संचालक नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन में डीईओ लखनलाल धनेलिया, डीएमसी भवानी शंकर रेड्डी और सहायक कार्यक्रम अधिकारी तारकेश्वर पैकरा (समावेशी शिक्षा प्रभारी) ने प्रमुख भूमिका निभाई। तीन दिनों तक चले प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को दिव्यांगता से जुड़ी जानकारी, बच्चों को मिलने वाली शैक्षणिक सुविधाएं, सहायक उपकरण, छात्रवृत्ति, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही यह भी समझाया गया कि स्कूलों में ऐसा वातावरण कैसे बनाया जाए जिससे दिव्यांग बच्चों को पढ़ाई में किसी तरह की परेशानी न हो और वे आसानी से मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ सकें। कार्यशाला के दौरान मास्टर ट्रेनरों ने अलग-अलग सत्रों के माध्यम से जानकारी दी। इनमें आवापल्ली के बीआरपी समावेशी शिक्षा प्रभारी बेदराम निषाद, भोपालपटनम के अनिरुद्ध गिलहरे, भैरमगढ़ के सुनील तायवाडे और बीजापुर के चितु राम बघेल शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डाइट बीजापुर के प्राचार्य वेंकट रमण एटला का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने तीनों दिनों तक मौजूद रहकर समावेशी शिक्षा के महत्व और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से दिव्यांग बच्चों के अधिकारों और उनके लिए चल रही योजनाओं की जानकारी समाज तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का रास्ता भी आसान होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।